YIDGYE MUNSEL

पिष्णहण सं 6769 अन्थालय, ... उ. १त. शि. संस्थात् सान्त्रथः ... १० ॥



क्षित्रम् । विष्ठाणे सर्वे स्टूबर्म स्ट्रिस्म हेन स्ट्रिस

स्मानान है हैं नियान केषानि नहें नु खुयाना । अवारका ने हें नियान केषानि नहें नु खुयाना

্ভা রি্নিধানপ্রে, দ্রীনান র্ধান্দের বিজ্ঞান রমধ্য-হর-নে-ধ্রনা-৭ র্ম-মৌ ।মট্রর-২ন-র্বেল युना प्रहस्र पदे रिमुम्स न् नुर् पति समास हर् से मार्थिः समोदी | | दम द्रास्तिः द्रिः ह्यः द्रिः ह्यः ह्यः ह्यः ह्यः । र्डेम प्रकर् रें र परे हिं में में में भी । थिय र्र स्थिय व्य.लीय ट्रे.च्रेच्या रायु.धयश विश्वारा पट्टी माश्चित्रः मीरेब.ज.रेचन.तर.वी ।र्.ज.जीज.रेट.पुंश.वी. म्बिता मु इससामार्डे चिर रेव मार्डमा ध्येव प्राया ख्रियः मुै : सद्ध : केर : मो : यर : मु : यर : रेम : यर : मु स : वेहा : चुनै सर्कन[्]रेन ह्वॅ दे खुल नु चुन क्टा मा माल्य वितृ सक्त कृत क्रिं सम्बद्धाय सर वि या । सियः वार्ट वे दे क्षेत्र नुष्ठे वा न्देश वे न्टा न्देश सेना तर्ब चुरुर्नातर्बर्गामा विष्या कृषायार्गात्मा केष নব্য ।মহ্মর-ৡ৴-ইম-ম-নল্বা র্ব-ট্র-রুম य। र्व.वेर.वंश.हर्। रवरावासम्यः

रट.ची.चैं.मेे्ब्र.पशःश्चेशःच। रट. 룡.집 म्।म्भैभ्रेषःप्रशासःस्रीसःय। ध्रःपहमाःपद्रः क्रम। रटम्युव-दुर्याधम दुर्य-मान्नेम्यास्य स्ट्रिं यर्रे प्रदेश से इससाओं । प्रदेश से वार्ट में दे दे ही दश:र्ने:वं नेम:रैमाश मिश्रेश रूट चें दे: सर्वन केर देया ने मुक्त महेरा महेरा महेरा महिरा लिल.रूमाचा देश.च्.ल रेग्ने.था क्री.र्.ब.हंश. র্ম ব্লেব্র বৈষ্ট্র বিষ্টুষা মর্কর দুবি মান্ত্রীর बुँदै र्वा पुन्या वरमी त्य पुन्युव या कुः र्दे, नेस स्याप निष्ठी निष्ठ निष्ठ मा स्थाप स्था सक्र-क्रेर-रुस-मलेबा वेस-च्-निट-लेम सिमा म्।र्नरःक्षाणुःर्द्शःख्रयःरुःग्रुरःय। नारःक्षेनाः इ.चद्री चाट.बुचा.श्रुद्री चाट.बुचा.झुद्री चाट. न्गर-दमा-श्रम्थ-मि-द्म्। मी-मोडम्थ-न्। मी.

বরু:প্র্নাথ:৴টুবথ:৸ৣ:৸ৢয়৸য়:৸৽ৢয়৸ ৠৢ:৻য়: टचा. छूचा. छ्चा श्रा विट. टे. हुं ब. चटु. ह्या 🗣 ह्ये. र्सन्य सुट पुरे में देव यदे न्नु निर्मा वैसासे वैसामकेंसा *दे* त्या वैसासे वैसामकेंसा रेना पुरा ५ हम हुन मानेश वर देव नेस <u> सॅ.ज.ट्रेने, था अप्त.मी.ट्यट.स्.मा</u>डीमाश.क्या थ. नदी झूदी क्षेदी स्थ:ग्री:न्यद:सॅ.माहरः उन रदासा सद्भ केर रेम या प्रवेश वह रेन वेस र्चे मार वैमा । समा मी र्नर पेस गी रन्मा मुना नाट लेग क नदी नाट लेग ह्रदी नाट હૈના સુત્રે! નાદ હૈના ત્યસ <u>ન</u>ી 'નવદ તેસ ની 'નનન मुने दे दे दे विकास के विकास क નીશ પ્યુત્મ ત્યાત્વ हुना <u>'</u>નુશ <u>ખ</u>ૈ. શ્રેના 'નુવદ સુ 'તુ 'हेब '''' ''' ૡૢૡ੶ૡ੶ૹ<u>૽</u>૾ૡૄૢਜ਼ੑ੶**ૢૼ**ૹ੶ઌૄ૽ૢ૾ૺૹ૽૽નૄ੶<mark>५</mark>વદ**੶ૡૢ੶ౘ**੶ౘૺ**૾**ૹ&ૄદૹ੶

मु:र्वट वॅ:म् हुन्य: उद:म् ३ ४ :म् ३ ४ खु:ॲ८। रद्श.च्.ज.वेर.वर् झ्.च्स रवे.वा में.रट.प्यंस. नु नाकुषा सर्वत केंद्र रोस निवा हेंबर रे पेंद्र য়৲ৣঢ়ৣৼয়য়ৣ৻৴য়ৣৼয়৸ৣঀ৴য়ঽ৴৻য়৸ঀয়য়ৣ৽য়৻ मुः अः ह्र व् वे अ वश्रान्ते वा न्ह्रामी रहा मीरे मुं मार्रेक्ष। सर्वन हेर् रें सः मलेना हेर्स रेंदे. मु:नाद:लना । इस:रेप्ट्रेम् नु:राः वितः ग्री:प्रस्थः सः नाकेश गा ध्येद पा सेद पा नाद लेगा केश देदे मु दूर हिर्ने प्रवस्त व मुक्ता मा प्यव मा प्यव मा मुक्ता नार्डे स्थानी क्रें वस निवे ना केर प्रेव निर हिन हैना ने र मुन मारेश सर्व र हेर रेस मलेवा हेंस देवे स्वर रेना ने र क्रेंब प्याय स्वरं विवर के के दे ही र प इस. देरे. केर. जुब. चीश. इस. दे. श्चेर. तर्र. मूं नाब. खु.... मुराया श्विराक्तेवायान्त्रीता न्रीम्बाक्ती मन्म मुना दे साधमा मुन मासुसा सर्वन है द

र्मभामित्री क्ष्माने स्थास्य नित्रु निर्मासु ब्रेंर वेर केर केर देंग केंग केंग हैं रहा राज्य हैं र वेरा ळूश.टे.चोश्राप.रूचो.ची.टू. चूर.चोडू.चूर.टूश.श्रु.क्रीट. चुेरा बर-वैट-रेश-मश्रुष्ठ-र्टा र**म**श-क्रीय-श्चीशं पकरे ता तर्शाचर अक्षे केरे विष <u> ভূব.বা প.ర्ट्</u>श.तषु.भष्ये.३ेव.श.श्रुंत.१ट.धण. अ.च्रेष.च। र.क्षेर.ची.भक्ष.कुर.कुश.ज.भ.४.ची.चा रमाश्रायदी सक्त केन रामा माना केन नु सुरायदी त्रे चोश्र-क.लूर.चट्र.र्जा रनु.वेश.न.के.वी क. सेर्णुं रुवामी सर्व केर् मुरायते सु नियाक सेरायते त्या रचे सर्व मी तु क्ट्राम्बर्मान्द्रमान्द नी'नन्माकेन'नु मुर्ग्यदे स्निन्देना सृ सु नु सार्थेन यदै दिश्वा द्ये सि सुर्वे । स्र डिम कर हेर ট্রী'মর্থ, ৡথা ২৫.এ, বর্না, ৡথ, ই.রীক, বর্ধ, শব

ढेमा[.]ष्ट् र्युं **मेर** यदे रदेश यें। **रवे प्र** मोदे क प्रश शु-गुर-यदे अ५.६म-५म ढदे ५८ व स्व ଔଷ୍ଟାସ-ନିଷ୍ଟା-ହିଷ-ହ୍ୟା-ଅଟ୍ଟା-ଅନ୍-ଅଞ୍ଚି-ଧ୍ୟ-ଅନ୍ତି-ଧା र्हेट.लेज.प्रधा चिडट.लेखा ढ्रेर.लेखा ४९च. लॅप.रेट.चेश्चेया चिड्ट.लेप.ची.सक्य.३री हैट. दश्र-रेमा प्र-'ग्राचा प्रग्ने'वा स्राह्य-मासुस्रामीः न्त्राहरास्त्रमा हेन्। सदी न्त्राहरास्त्रमा हेन्। सेर् दम्भः वेशः गुः ना इटः य्या यः नदः ना शुर्या नदः र्दाः यः नेते वा मान्द्र रेगा सर्व सुसानी माहर सुसा रूट रेना सर्दे सुस मुै ना हुट स्या ५८ ना हैसा यानविदा हर्षायान्यान्द्रित्रम्यायान्द्र्यासुःमहिन् श्चाश्राकि.से.वेर्। विडट.लेंज.से.श्चाकेश.र्थ. सर्दर हेरा लेद दश रेमा पर पुरा प्रे दी दा

र्षेर्दिश सेर्दिश नक्षयः द्वः न्दः मश्रुम। ٣٤٠ देश-गुै'सर्द्धद:कुर। दंद'स्रश्चर्मसारा। हें**द**ः क्र्यास्त्र स्ट्रास्य र्यम्य देश गुँ सर्दर हैर। य। नारः जना देवे यञ्चल देव मी सक्व हैन। **એ**5. णुटःन्नदः त्रमः देदैः स्दर्भः यः चत्रुरः से दुदः न। द्रने व। निट.चना.इ.ज.लज.ची.चभ्रज.चट्र.चभ्रज रूपा रेश गुै.पश्रम.राष्ट्र.पश्रम.र्रेश रह.पर्वयःगुः.पश्रम. मते मञ्जाय द्वारामाशुमा द्वारीम मही । यःमाल्दानान्यः यदे सेदे स्र्रि. स्रम् साम्यान्यः स ଷ୮:ଷମୁଣ:ମୁଡ଼ି:ମ୍ବି:ଦ୍ରି-:ଅର୍ଦ୍ର:ସୂମ୍ୟ:ମୁ:ସୁ:ମୁ: । सर्व की.मार्बर ता अन्तर्ग पिहमा स्परा की सर्व १९। सिट.र्रे. यी. यह . स्री. र विमाश या व . शे . स्री या झु.भु.६मा.६्रम्था.मु.५४४-४तमा.ल.भु.६मा. न्येर वा य.के.वी क्र्य.च् ४.४ वट.च्.भट्य.श्रभ.प.क्र्य.च्. के.वे.र्टा विश्वातपुःस्राह्माविरासराख्याताविश्वासः द्भातु दरा र्वे क्या हो दाय है ही का सु त्या का वें का दा क् . खट : ड्रॅन् न लेर : क्रॅन्स : परे : लेट : झ : सुर्रो न्वय नुःयः र्नेन्यः र्ह्वयः गुष्ठै स्ट्वे द्वा रूटः सक्त.रटा ह्ये.सक्त.मा३ेश.सम। **लट.या** मीवे**ल.** বী পাহুৰ নীন সে স্থাপ না না প্রা मुै सर्व हैन। देव दसायर देव मुन्य सा द्येर बर्ह्स्याच् सं चुर्रा । अटान स्थान नुसः तर में बंदा रहे हैं से क्षेत्र की सर्व है र र्देव : दस : यर : र्देव : चेद : क्षेत्र च वरे : क्षेत्र | अदः व र्म्नामानात्मार्याच्यात्रमान्यः हुन्यायाः हुन्यायाः र्वर के हेंना या ता खें खेर लियश लुक इंदा या खे खेरी। चिष्यानु सद्द्-मुर्मे सद्द् हैर सद्द्र शुक्र संद् समार्नेम्मायर मुन्ता न्येर वर्षे वर्षे सुन्ती। नालया मुः सूना मुरु मुः सर्व र कुर हिस र्यमा र्दर स्र हेन्स पर व न। इपेर द हिंद में से हमा प

के.बेट्रा **!**બદ.વે.ટું.તોફ્રેજ્ઞ.મું.સજ્વ.કુટી ĐĽ. क्रॅनस गुैस क्रें बर्निस न्युन यन यु य न्या 57. ब्रॅचशः गुैशः ब्रॅॅन्शः ५५५ । या वालयः ५ नेवर्न्स्न मुर्ने स्वीर्म की सर्वर केर्ने न्युन्स मास्य मीस र्या.चर्च.पिट.ज.चहेब.बंब.ह्यांब.चर.चे.च। रंघेर. व। ब्रैव प्रशासिका श्रुर विस्तर गुरामरे विस तर् लार रा नहें ब वेषे र्व लाके हैं न है वेष् लर चुट पहेंद् चुदे सर्क्द हेद्। यह श्रस मीं पर **३**.च। रेवे.च.चाकुंश.पाया ह्ये.चार्च.चह्रं-चेत्र. सर्दर हैन दमा गुर ह्येंट मी वेश यश हेर यहे नवट नीश प्रना लक्ष में नर नु न। लेक प्रते महें र नुका ग्र ह्येंद्र मी हेंना या त्र इंदर मदी प्रादमी हा दम पशःम्राचरःम्। रयेरःवःवस्यरेःर्वःश्चेःवः **ଞ୍**ୟୁ ।ଜ୍ୟୁ:ସହୁ:ସହୁ:ସ:ସ୍ଥି:ଏ। ଧୂହୁ:ଜ୍ୟୁ:ସ୍ଥି:

27 } परिश्रहण सं 6.769 } अन्थात थ, . ज. ति. शि. संस्थान स्वान थ जाराणसी

र्देव:रेपे:र्देश:बीट:मी:सर्वव:हेरा र्देव:रे-प्य:र्दः वॅरम् भुरम् दे सिरम् । र्वे रे रिव्रे रे रिव्र बेर्-रु-म् नर-मेर्-बुक्याम। रचेर-क रे-र्मिक्य-मुख चॅ त्य खेट मो लेख यदे ज्ञु स् चुदो । रॅब देदे मन्नाबान्धाः मान्यस्य हेन। मुन्नाबान्धाः मान्यस्य हेन। ८हुम् यदै 'सुत्य'रे 'र्ट रेव रे केंश दम्द हिम् सक्दायामु सर्व नु मुखावया नु व ने नि स नर्ञ्ञुर नदे सिंदा र्वेर व्रः सा चेदे विद्राप कु.क्र.केच.ल.श्रट.चु.खेस.चर्.स्रे.केवी कूच.त्री. सर्वन केरा <u>ल</u>यानी द्रास्त्र प्राप्त हिर स्थार हिर स्थार हिर नमःहर्नेन नवेरःना नुमःयःहरःहःलेसः यते ह्वा हमामा सर्व हमा व्यामी मुन्द्र्र्भःगुन्द्रम् स्मान्त्रं नात्र्रे न्दःसुन्द्रस्हर् चैता निमः व मुक्षः य द्धः दुक्षः द्धः विव हैना हैका यते मु उत्। हिं छे । त्य वहें उते में क्य न्छे न

रैनाश हॅर्-गुै-झु-५८-ळॅनश-हॅर्-गुै-झु-५८-नाकैश। नर्हेन् मुद्रे देव दे प्येव व से मुश्र क्षेत्र या ব নারনাম ঔ্ষামধ্য স্থান্থ ন্ত্রিনা ক্রিনাম ইবি দ্রী मुते सर्द हैंदा रहा मेश मेर पर महर्द परे वहूर्यः लूरे थे। दिल हर्यः वर्षेरः परेश्वः कीः सूरः नुःर्धदःय। द्येरःदःरे वें मारसः हर् लेसः यदेः क्रस-पहेर्-णु-सु-५८-। क्रस-४५-पहेर्-र्टास् दे सद्धाः हेर्र्ट्रिं ন ই 'শ্রু'না ই থা रदामी पहरिनु र सुद्धायते से व्यापहरिनु में होता <u> नयेन व मान्ना न सेव या केन प्येव वी विश्व यदी ।</u> मु मु पुर्वे । इस उन नहें नि मे मे मे मे मे मे मे ᠵ**ᡕ᠇ᠹ᠗᠄ᡱᢐ᠂ᠳᠵ᠂ᡆᢅᢄᠵ᠂ᡌᡭ᠂ᡆᢄᢅᡏᢩ᠂᠊ᡛᠾᡭ᠈᠊᠍ᡛᢐᡳ᠁**᠃

न्विन दशकार्य मी पहुँद पुर म सुरकाराये से वका वहॅर्नु में होरा इवेर व माह्म रह स भेव या र्षेद वीं विश्व यद सु व उदी हिंद है र त इसामार्डेर गुँ स्ट्रें वसार है जा से स्वत क्या मार्डेर णुः ञ्चान्द्रा माञ्च स्वान्ध्याम् वर्षे गुः श्चान्द्रा सा श्री र देश निर्देर गी क्षा र मा श्रुमा सर्व के र र मे स पर्वता हैंन स्राह्र हें राणु र्वना रे साम्रायर अर वहा हिन मिलिये विमाने साहमा यर श्चर दश हेर् होरा हाय श्वर राय देन रे स मना यर क्षुर वहा हेर् होरा रचे रेम य विमाय ८व्ट्सः शुक्रियाम् व लेश यहेन् यते श्चान् । श्चिनः मिन्दार्वरहा ही दालेश महेंद्राय है ही दारी सहें য়ৢ৾য়ॱ৸ॱৼৄ৾য়৾ৼ<u>ঢ়ৣ৾ৼৢ৾</u>ৼ৸৻ঢ়ৄ৾৻ঀ৻ড়য়৻৸ঢ়ৄ৾ৼ৻৸ৼৢ৻য়ৣ৻ড়ৢ৽৽৽৽ द्वरी हिंर्छेर्याप्य कर्र्य ग्री क्वें वस रहे वा

ॻॖऀॱॾॕ॔॔<ॱऄॖॖॸॱॴऄॗॺ। ॷऀॱॺॱॺऀॱय़ॖॺॱय़ढ़ऀॱॿॣॗॱॺॗॗऀॱॿॱय़ॖ। लेक'यते हिंद चेद त्यादि के विकास के कि का स्वीत हिंद के स्वीत के स्वीत के स्वीत के स्वीत के स्वीत के स्वीत के स <u> चैत्रत्या वृष्यः णै लेक्यते हिंद् मैद्रानिक्या</u> र्वे रेश पत्रेश वुस्र य से ह्माय पर वुस्र य ह्माय स भेर याया पर्देश हे तुस यासी हमा देश परे क्षे क् युर्रे । ३५ युरायी मी ५८ मार वमा मार्डेश प्रशा **भै.**मीदी:सर्द्रकृतिम्दे:से.चशःद्र्यःसुद्रामीद्रशःगुदःःः क्षेर्रर् नाकेश अर कर केंग्र अर रेंद्र सेंद्र कि नी **अ**न् रहेना नु स्थार हर की स्था हिन्दा स्था से सेनाहा रिवेदशःक्षेत्रार्दा। या विःश्चाश्चाश्चय वेरिःचाङ्गेशः र्सि; भूनार त्रना नी सर्दर हैन। सुर से सित्रा नालेदी क्रूंचाश मुब्दाय प्याप्त प्राप्त प्र प्राप्त प ब.झे.झुब.झ.वेट्रा ।सटस.स.चेस.चट्र.रेनट.रे.वे स. ब्रॉ ब्रिं-५८१ रीमाया वेशयः दस्यशः देवः महिमा स्मेदाया अकद हैर हर प्रश्नित हैदा

न्द्रेश क्रमा क्रमें हैंनाया हैंना सुरी तिर्वित भारतिया स्ट.रूमा मालयः ৼৢঀ৾ ।য়ৢ৸য়৾য়য়য়৾ঀৢঢ়৻ঀয়য়৻য়ৣ৻ঢ়৻৻৸য়য় क्र-अर् अष्ट्रे क्रिं रा तिया मार्थ र दे हें ना रा तर ही देशान्। हर्मास्युम्भेद्राचन्त्रीयाम्। वेद्यामदे द्वं से सु न रंभ से व मी। नासर नु द्वास य परे के.वी.लूब.खंब चुंब.सद. ह्यूर.री भ. जुंब.रूब. मुकामक्षामुदाणुदा वेदायसाम्ब्रास्टर र्देशम्बर्याः नुः यन्दः यः प्येदः वे । विवः गुदः मी र्हेदः नाद ले जा नालुद स् अदे द्व या अ सु सुद कर स.ल.स विव.तपु.सुर्व.सुर्-तर-स.चर। ग्राह्म. वेश.च.च.च.इस.चट्ट.श्चर.लट.श्रेरी इस.चट्ट. र्देश विद्यासम्बद्धाः स्टब्स् নাধ্ব-দ্ৰন্থাৰ মাজৰ মন্ত্ৰী বৃষ্ট্ৰীৰ। **ঀঽৢৢৢ**৽ঀ৾য়৽য়৾ঀ৽ঀ৾য়৽য়৾৽ঌ৾য়৽ড়৾ৢৢৢ৽৽ৢঢ়ৢ৾৾ঢ়৽য়ৄ৽ঢ়৽য়৽য়৽৽৽৽

देश मुँ ह्वि दर्द वेश मु अर्द्ध केरा रद <u>৸ঽৢঀ৾ৢ৴৾ৠৣ৾৽ড়৴৸৽য়য়য়৻ৼৣ৸৸ৼৢ৸ঀৢ৾ঀ৾৾৾ৢ৴৸৸</u> [ૢ]૱૱ॱઽઽ૽ૺॱઌઌ੶ૡ੶ૹૣૢૻૼ૽ૼઽ઼ઽ૽ૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼઌ૱ઌ૽ૼૺ૾ૡૄ૱ૢ૽ૺૺૺૺ૾ ঘদ্, শ্র্রী ইট্র, পার্ছেই, শ্রেম, ক্র্র্র, শর্ম, ইংল, ঘদ্, चन्दर जेश मानेश। दये रेश प्रवेश। श्वर प्रहें व न्वट व दे सद्द सुस मुक्त न्दरस यदे सूद व देश यते ह्वां सु द्वादारा ह्वा हे मार्थ स्वर् বধু, খু, জু, পুরু বিশ্ব বিশ্ব প্রথম প্রথম বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব প্রথম প্রথম বিশ্ব सर्द्र-शुम्र-दुःसन्त्रम् गुर-पठर्-प्रेश-फ्रेन-दी व्यन् वेश गु महन हैन ने स केन या भारे र वहन यतः वेशा रहेता ह्वाना रहेता हैनाया ह्ना.त.ज्ना.जेश.रटाञ्च.च.मानेश.र्डेट.मी. न्तर वेश वृत्त हुना से र व्यना वेश मार्डेश हे रहेंस गुःसद्व १९५। श्रुल स देश पर लेव पर्दे ह्या

5ने ना हे के के अपने के निकार के जान न्दःस्यान्ते वा कास्त्रसानु प्रहेवायान्दा। न्य केर दहेंद्र या मार्डेश राम्यें के र्वेर वेर विक्र हेना नाय से हिना झुस्राया नाकुरायाया द्वे. त्त्रुरःमु वे कंस**्र**रा र्व से त्त्रुरःमु वे कंस मार्देश रेवे रेस प्रेंब क्षे यय केर से रेग श्रुम पत्रे हिंद्र हा वे केंस वना व क्राया हो ना हुनार त्यास्तरे वास्तर स्वते वास्तरे व निका हिंद याद हा ऑद इस यदी हिं सु ह दर। स देश प्रते ह्माश ता पहेन पर हैं सहर द्मा में । इट या सार्हे मारा यदि ह्ये दि सक्दर हैन। रह सक्दर इट विट ने त्य क्वें पर्ने निष्य महिन सी कुष या निष्ठे ना त्वियः वर्षे **मु** सर्वन मुक्ष ङ्कारा त्रास ह्माका या द्रा **र्भ**र्स मार्र्य यदे मुं सक्त मी स क्रूट स स हें म्र यदे क्विं मार्रेश नये देश मले व क्विं क्विं क्विं क्विं मार्या

ता श्रृं र्य दे 'र्यट र्य दे 'सर्व स्थात व व रहा। श्रेर चॅ.ज.कुरे.ची२२.टैश.मु.२४८.मु.४८.मु.४८.मू.५५.मू.५८.मू.५ बुर्ते । फ्रेन्न्सुर्न्, कुन्नम् स्त्रुन्मल्यः नुन्ययन् हो । द्यन्त्रात्मामुद्रसादेशाणुः स्त्रान्द्रातः सद्दर्स क्रम निया हिसान्यमा क्रमा मानेसा सर्वे য়ৢয়৾৽৶৾ঀ৸ড়৾ঀ[৽]৽৽৸ড়৾ঀ৸ড়৾ঀ৸ড়৾ঀ৸ড়৾৽৸ড়৾ঀ मारः लेमा । रहः खुषः मारुरः दुनिहः य। ५५ भट्र.श्रमःचलु.पा.ज.ठचेत्रा ।भट्र.श्रमःही. सक्त भेर में नामा सामा महिलान में भी सामा निर्देशी निमार दे। स्परि मेर् स्था राज्या । क्याप्तर्वे सम्मान्त्र सुसान्दायकेत् । मेसायायकेतान्। ৼৼয়ৢ৾৽ঀ৾ঽঀ৾৾৽ড়ৢ৾ঀ<mark>৾৽৻ঽঀৼ৽ঢ়</mark>৾৽৸য়ঀয়৽ঽঀ৽৸য়৽ঽঢ়৾য়৽৽ शुः श्चेश यदे नाल्द रेना मी वेश य हेना द्राय स सद्द शुस्र। भुतिहेता दे प्रहेता दे प्रहेता

रेना ५ हें ४ : ५ यह वे दे स्थार अस ५ र १ वे दे । सर्व ४ : ^{कु}र-रेश-बहुरा रह-मी-बर्गा-मुेब-श्रेग-र्वह-। इ.चट्टा इंट्रा झेट्टा खेरा है. देवट. स्. प्रस न्देंबासुःसुंधायते मावरारीमामी विद्याया हेंना द्वा ম.পেট্রিম বা रदामी यन्ना मुद्राधीन भी न्दर में য়য় ৼঢ়য়৻য়৾য়ৣয়৻য়৸ৢয়৸ঀঀয়ৼৢয়৸য়ৣ৻ঢ়য়৻য়৻ৼঢ়৻৻ उत्पःसः सुयः न। ५३ त। महमारु ८ हेत थे ५ गुँ रवद व दे अद्देश्यम दया देना दिंद स्पेर हुर.मू.स.स.च**ु**या ४८.मू.य**रम**.मुय.माडमाश. वहेंबा झुरेहेंबा देंवहेंबा रेंवहेंबा रेमावहेंबर **୴ୖଽ୷ୢୖ୷ଽ୳ଽ୷୕ୄ୷୶ଽ୵ଽ୕ଽ୶ୢୡୢ୵ୢୄୖୠ୶**୕୳ୡୄୖ୵୳୲ଵୡୄ୵୷୷୷ नेश च हुंचा चलाश प्रविताच। रेचटाश्राह्य सेर छूना क्षे साद्मसायीदासद्दायीदानी प्रतामी माहाराद्दा मूर्माक्ष कुः स्पर्न पर्ने द्वार सर्दे मार्डमा मीका दे सामा

मुेब-युश्च-याथश-युद्द-यदो-माल्ब-रोमा-मी-वेश-यार्ह्मा च्रय स.प्रवितायाल्ये स्वर्षः क्षेत्रा ल्येदः वेशाले हो। ৼৼ৸ৢ৸ঀঀ৸ড়ৢ৽৻ড়ঀৼঀয়ৼ৻য়য়ৼঢ়য়য়৻ড়ৣ৽য়ৢয়৽য়য়৾৽৽ .वेश य'र्षेत्र'यदै'र्स्चैर'रे। रद'र्दर'रेम्ब्र'स्युत्र' चष्र ^{क्}था.चेश्व.कृष चयाची.चि.श्व.लश्व.श्रेश.चष्र चेश्व.. याम्बर्गयते सुरा हेश प्रकर्म परम्यापर्द्रो । र्यं मी सर्देव सुसारी संदेव के दी। मिन्दर मिं दर सुंर तप्र. पहुर क्या चेश त ग्रामी हो ए र स्त्र हिं त्रुं र अटें ब खु अ मी अर्द व केरा अट र ना यदे रें ब বয়ু্ষধ.নধু.রূব্ধ.লগ্ন.বী:.বধু.পরনাধ.নধু..... नेशन ह्वाज्य सन्तियामा नवेना ३व व्हर रट.मिल.हेच.कुर.मी.क्ल.ठमिर.शह्र्र.श्रंश.रट..... নারীমা বর্ত্ত মত্ত্রী ঔব্তর্ম ট্রেমর্ট সেম্ र्दा रद्युयानी अर्बेदायमान्य सुर्वे हिराद्यमा র্ব্ব'মন্ব'মর্কর' দুবা র্ম'নাগ্র্ম'র্কের্নন্ন ব্রা

त्यः वहेत् वद्यः रदः सुत्यः क्षेत्राः मुद्रः न्यद्यरः दुर्नेन्यःः বর-স্ত্রা ।বন্ত্র-বন্ধ্রম-মধা বর্ষ-র্ম-র্ব্বম-<u>बुनाक गुःहिक द्यना के।</u> पुरु यदि हमार या पहेन वश्रास्त्री से मार्ग स्वारा सह सि सि सी योगारा यदे हेश-द्यमानी हेन्श-खुल-व-र्स्ट्र-यदे हमाश यदे हेश द्यम द्या भेर केश हेश द्यम है। यश. ज्रांच अर्थ. कुश्च. श्रमीश. ग्री. खिट घट. मी. चहें थे. चेट्रेट. र्व सन्धे सु पर र्वेन्य पर से से से सुरो । हर स M. तीजा वयाता टका च ए ड्रेंब वेश मी ही वेश रहे वी ৼৼ৻ড়য়৻ঢ়য়৻ঀৣ৾৾৽ড়ৼ৾৽য়৻ৼৼ৻৾৸য়৾ঀড়ঽ৻ড়য়৻ঢ়য়৻ঀৣ৾৽ র্ম্বান্ট্রা ব্রার্থিকর্ট্রা র্ম্বা नादःलेना'रूटःके**र**'क्षर'स्र'स्पेक्'यर'रूटःक्रॅन्स'णुस'''' देशन्य प्रदेशन्य। दयेर व। रूट क्रेन कंद सप्येव

चर :रट: र्वेचर्था गुरु: टेर्थ :च दर्देन :चदे :हेर्थ : यम **:...** २८। भट्रे श्रेभःचलुःसःचेत् । मार्कुशःचद्रःसद्यः क्रन् सःनादः लेना स्टा केर् क्रा स्था प्येत स्परः न्वतः सूर्वरः गुँसः देशः यः ८ देवः य। द्वेरः व। २८ १९ कर स. **भे**र चर माल्द सूर्वस गुरेश देश या तर्वेष:यते हे शर्यमा न्दा सर्देष:सुमः क्रन् सः मासुसान्ध्र नुत्रं अदाकारी मानुसानु रामे क्या मानुसान য়ঽ৾৻য়ড়৾৻ঀৼ৾৾ড়৻ঀ৾য়৻ঀৼ৾৻ৠৢ৾য়৻ঀড়৾**৾ঀৢ৾ঀ**৻ৠৢ৾৻য়৾ঀ৻য়৻ড়৻ वु'द्रा र्द्रासदे'न्द्रायासानुरानदे हें सानुदे मी मी क्रिस् माम स्थाप । सिम्स याम द्वेन । माम स देश-इट-म्बर-प्रश्न-देश-ग्रु-४५-अदे-अदं -ॐर-र्रक वर्षेष क्षंत्र सामार विमा । १८८ के द से ह्यु मा उव पु १८८ र्ष्ट्रेचस-ग्रीस-इ.स-स-इ.स-स्था-स-इ.स.स-इ.स.स-इ.स.स-इ.स.स-इ.स.स-इ.स.स-इ.स.स-इ.स.स-इ.स.स-इ.स.स-इ.स.स ब्रॅवश गुै। टोश या प्रदेशया माहेश राम दिया । काः हेश-द्यम् क्रंदःस-द्रः। रटःरेम् सट्रं

र्वि: ग्रेन श्रूट मी सद्व सुस र्वर सन्दर्। म्रीसंसन्दर्भनी सर्वरस्य संदर्भन्दि। म्बिरामसार सारी प्राप्ति म्यू उदामी सर्व सुसार्वरः मार्चे। रास्मुरारीयार्वे दीर्मराद्यरायामेदी म्बिर ता नहेन नहा र हिन्दी है है है है **८** .च.च.झेदी ।म.र्नेम.केद.च.ज.झे.झू.च.झे.चु.ख्त.तु देश-मुद्रे-मुदः रेट व् दे नुसर-दमर-म-दिर्द-मदे... नियम् अप्ति । हिमामि अक्षे हैन। नम नी ङ्कट खुय खेर द ह्वी सर्दर खेर दर्नी स या हेंना सेर्-मेस-पदे-सर्वर[े]र्ना मेस-प-माट-लेमा । ଽଽ୕୶ୗୄ୕ୣୢୢୣଽଽୄୄୄୣୄୠୣ୷ୖ୴ୡ୕୕ୡ୕୵ଽଽ୕୷ୡ୕ୡ୕**୵ଽ**୷ଵୄ*୕*ୄୄ୕୷୕ୄୢ୷ୣୣୣୣୣ୷ୣଽ୷ मार.श्रद:स्रोब:रम् हिमा:य:य:श्रुर:द्वंय:मी: र्झे वस नुष्ठे वा सि र्ह्येन हेंना स नुह रेव रहेंना ব'নাইৰা ব্ৰ'ই'মকৰ' ইব'বৰ'বুম'ট্ৰ মীন

५८.व.र्थेर मु. रूप.चाहेश स्त्रिम.वश्चात्र सप् प्रेशस् रवेर व अवा पर्व रहत ही किटार हुस यह हैं है বুর্না দাট্টশ্বংঘর মত্তবংট্ট্রা চ্রেন্স্ জীচের क्ष श्रिम वशायहर्षे पर्य प्रेश प्रा निमान स्थिम न वु-न्दुमायारवन्विं क्षुकानु निहेव मदी ह्विं सुनी ह्म.रा.ज.हॅरा.लेज.मी.स्.्रथ ४४.२ने.था स्.ही.मेर. याताक्रूटायाद्वा। र्वे ही कुटायाताब्रूटायादा नाकुशाना है रामदे हैंना याना शुर्मा निये में सामले व ਸਵ.ਯ.ਬ.ਰੇਟ.ਖਨ੍ਹ.ਯੈੱਟ.ਗੁ.ਖੰਬ.ਖਨ੍ਹ.ਡੀ.ਸ਼੍ਰੈ.ਵੈਂਟ ਖਨ੍ਹ .. ल.चैट.चट्र.झुेश.चेट्र.चेट्र.जी.चेश.टहूर.टूंच.त.के.ची र्हेना यात्मार्यायि क्षें व्यान्ति वा नन्दे ने व्या मु द्र्या य द्रा व्राव्य पा स्र प्रदेशसाय देश य: इतः। अर्मा : र् गुर यदि : देव मु हेर्मा यामा खुर्या

रट.च्.यू। वैभानपु.श्ची.पहूब.चेश.त.सं.वी নাউ্থ ম'ৰী शूचा मैं.ज.९४ ८ हूब मी. पुराया से. वी. चेश्वेश राजायधु जश देवाश ८ हूर्य यद्र. श्रेमधाने दे स्मुनाणु हेशान्यमामी हेरायेन नुमुरा ସନ୍, - ୧ . ଞ୍ଜି ଅ ଲି. ଞ୍ଜି ଅ . ଧାନ . ଅଟି . ଞ୍ଜି . ଅଟି . हेश द्यमा ते प्रत्ने विकासी । इत या है एद्याया यान्स्रम्बारायमे ह्माया सर्देन पर्देन यहा सुद चत्र ह्वा.च.ब्री झें.ब्रा.ब्री हेंब खें.पर्यंट्य चंट्रे. हॅन यर्वे हिन सेर वेश राय य र ने वा हेना सेर प्रतिमः केश. रहा। हेना से राम प्रतिमः प्रते सामा मुहेबा र्ट वे सक्त हैना रट में पर्मा में त न्तर में नहीर तामश विराम है की विश्वामा विश्वामा नियाः वेशायम्बारा नियाः । क्ष्मा सेन प्येन वेशा प्रमुख या मुर्ग द्ये रेस यहित। त्र माहिस क्रूट.मी.रवट.प्रेश.से.ये.रटा। ही.लश.माशल.क्रूट.

मी.पेश.त.सं.येल्। निशेश.त.ये। कॅर.चलर. पप्रे.शर्ष.शंभावभभावरे.र्। पिर्धितामी.वु.र्थ. यः यही स्री मानसाया स्रीतः यामात्रः हिमासा सरी द्रारा मीश हिंद की प्रस्तेर हूट मी केश या हु है। हेद न्वरामीबान्दाकोराचेराङ्गरायदी विद्यायास्यस्य ଔଷ ଷ.<u>ଲୂ</u>ଧ୍ୟ.**ଅ**ଧ୍ୟଷ୍ଟ ଅଧିକ୍ଷିଦ୍ୟ ଅଧିକଥି । ୧୯୮୮ मीबार्याच्य ल्रास्ट्रीटायद्रात्वेद्यायान्त्रायुः त्रा सः वनाः मुदे त्यः **र्ष्यद**्यः ले स्ट्राः त्रनाः र्यसः प्येतः वेसः । । । र्बरमी:सर्व, भेरा रहामी र्बर सियाया हिया सर् 'नेश'य। रेने'ब'ईमा'सेर्'सर्व श्रुस'हर हूट' न्दःह्नायासद्वासुसाद्वरः ह्वदा सद्वरः हेन्द्रः <u>বব্রী বাস্থ্য বর্ণ দ্বীর ব্রী বিদ্রামানী মর্থ </u> १९९७ दे.स.लूब.च.ज.ट्रेस.पहूब.मू.र्ज्या । रहे.

र महिन तथा हुना य प्रिया के हो है हैना २हेर्न मुं हना या से व निरा हेर्ना से ना प्रीया ने स बै.नन्द.च्च.ह्यं ।स.एडिंज.नर्द्र.पुंख राट्र.सक्र. ेुरा स्रायः निष्यः समारा हेमा स्रायः स्रीयः स न्त्रेना सद्भाष्यस्ता वेषास्रायासः प्रमुख नदे हिंग या मिहेश मिहेश से है। हेश न्यमान् सुर्वे । म्हारीमानी सर्वे के के न इस। मावतः हेना मी सदंदः हैर माह्य दस्या होस्रसः गुै'वदःवद्यास्यार्वमःरेगाया न्वेखा द्याःवेदार्वेतः র্নানাম বন্ধীবা র্মম বুল বী মর্থ পূর্ लयानी मिरायर रेमाया निवास किया है महिमा <u>बरायाक्ष्राची दसमावना तकराया के। वर्षा</u> हुँ र-र-त्र पु. स्मिनश श हूं ब. त्र. ची लेल. वी हूं ब. त्र पु. इम.त. पर दश हूर् से ल.चासर ने ही ही पर् पेस...

या बदाया होता चे दिसा शुक्ति च दे । बदा साद दूसा বুম দেইলামা ব্যক্ত ইল্ফ ন্ট্ৰংমন স্থা म्बदः दशःम्बियः द्याः म्बदः दशः खद्शः सुः दुर्वि रः ेु र ८हूर,क्स.क्रं.सा चाबट,क्स.श्रेसस.सं.स्ट्रीट,चट्र. रट रेगा त्रुश सुर दहेंग हैट। द्रश हेंग्श नाश्यान्त्र सेनश्र श ह्य. त्ना विष व। ह्य त्र. इस.च.चर.वश.क्र्र.च्.ज.चशर.रे.भु.क्षे.चटु.खेस.. त.क्र-था र्विय.त्य.य.चर्चेश वश्च.४८.ची.चरची. ૹ૾ૢૺઽ૽ઽૢ૽૽ૢૻૄ૱ઌ૽૽૾૾ઌૣૡ૽૽ઽૣૼૹૹૢ૽૽ૢૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૹૻઌ૽૽૾૽ઌ૽ઽૢ૽૱ प्रचंश सुर प्रह्मा में ।हेश र्यम में दंर प्रदंश दें। म्रु.भ्रं म्ना या नालया छ। स्रु.भ्रं में यर म्रुना यर हुन यर है क्ष्यामार्थस क्षाराचर स्वासायस स्राप्ता स्वार ह्या र ते स्रा 'वेश.च.क्र्य.भा श्च.धु.ध्चा.चर.रट्स्.श्च.ध्चाश. त्र हेश रेत्व रचिश वी शुभग रुभ पर भेपश

र्यट जेश मी मीव नाहां सामी मी हर्ष है है सी. ₹ï न्नर वेश णु न्द्रम्थ कुव भु अदव हैन ले'व। ৴৻৽ঀৢ৾য়৽ঀৠৄয়ঀ৻ৢ৽ঀঀ৾৽ড়ঀয়৽ঀৣ৽৴ঀ৻৽ঀৢয়৽ৼ৻৽৽৽৽ त्रस्य दवर विसायमानी क्षा स्व द्वा नहीं वर हीता वेता नवेरक्ष्यं श्रूटन्वटक्ष्यः स्थानं वेदायः नालकःमुक्तिः नरः कर्नः नकः सः कर्नः गुदः हृदः। रदः नीः रेत.पर्महर्महर्मात्यर जेश ही शर् रश्चरमेव लेव. य मलेक की । माह्यर क्या दशीमाश क्रीक कुंच प्राप्त राय है। व क्षेत्र नु ध्येष नु क्षेत्र नु पर्ना मुक् मी अर्दक हेरा र्यट वेश स्था दिंद नु मार्ड विर क्षेत्र केर कीर केर केर केर केर निया विश्व श्रास्त्र निश्च यह निया विश्व श्रीय होता हुए । निया लेश हिंदे में तिहेद देश शु.महं स्ट्रा हीन यदे ... गुन माले दे होट मी नुस या स् सुदी । दे स समा मुन য়ৢ৾৾ॱয়ড়ঀ৾৽ৡ৾৾৴ৼৄয়ৼ৾৽ঀ৾৾ঀ৾ঀ৽য়৽ৼঀ৾ৼ৽ঀ৾৽ৼঀ৾য়৽য়ৼ৾৽৽

त्रशःयदे द्वरः नीशः श्रृदः श्रूरः द्वरः दोशः श्रुदः यदे हिः — च्र-मिश्र् च्र-रिश्सिः श्री श्री-राप्तेश मुन् ग्री श्री रामी " र्षायाक्षातुर्। सियार्म्नाषायदे वयसाय। दनाया नः रहेलना नममाया झुनया ह्यी वुःचन । नुरुनः नः नः। स्रेयः ८ हुन ५०ः। भुवातहमा ।सर्वर हिरासर्वर हा इस र्देश द्र द्रिया द्वा हिश द्रयम द्वा मा हैश मा द्वा ल.रचच.तत्। विचात्र.चत्र.भक्ष.क्रे.अ.अ.विव. यर मन्द्रायद्। । र्ष्तु द्वा स्व हेना से मन्द्रा प्रनाय. १८. वर् क्र हिंद प्रनाय। क्र सर नार्बेर् दमाय प्रामाशुमा रेम य प्राप्त प्रवेश यदः প্র-ট্রি-নে দেনাল র্লুন্ধ মঞ্জানু দেন্ন্রান্ধ স্থা মা उटाचा रेचे.बा वंबाच्याच्याच्याचे होवा हेना भू चोषश पंचार्या विश्वास्त्र मिंद्रायही सूची. क्रवासःसुःग्रु-: यदे :सुन् :स्वनःसे नानसः द्यायः ना<u>स</u>ुस।

रेतु.रेट.सू.क्.रूचा.रेट.चीट.रुचा.से वी क्रैट.शिय. मार्डेश.पट्र.रंग.सं.श्रु.धा.संग्रह्माश.ग्रु.ह्रा <u> २५म २८ झ ६ म ८६४ मी झूँ ८२म स गुर पहमास ...</u> सर्व-मैर-छे.वी महास्रारा हैया नर बुछ है ही। सर् वृष्य सिट त्याय मी सक्त केता क्रा हे त्यस म मिंद्र गुट भेद केंद्र दे भेद यदे माले समुद के बुर्ना रेबे.चा रह्स.पंचाल रट.चक्रेर पंचाल. मुहेश रूट वे ते सर्वन हैरा हें ह रूट है समुद्रायमान्द्रशास्त्री मार्डे में मारालिम । ित् न्रा र्वेर्वं व द्वा च द्वा के दिवा च विष्टु तिवाया माट लेमा । इस् रे देश पर पर पर हिंम रे मायश पर सम्भेदाया मधेराकानुकायान्दान्तायान्द्रासुर्दे । बरायान्यान्वेषामी प्रमायान्यते सर्वतः हेन हिनः

र्हेर: ने: न्द की: अशुक: यम: माक्क: यदि: मार्डें : में ध्येव: या। कं मूर द्वा र्वं स्था नार्दे दमाय भी सर्वे के है। माम द्वार मार्डेमा मीक्ष रहेमा व्हिंक रहेर हु द माँमा हुई " च्चितःसत् माढेना वस हिमा विसान्दा के समुदासा न्येरावामुकायान्दान्यायाकृत्व। व्यवेषायवे सक्व ैन। हिन्दहें अने प्रसाम के किया ने का ने नाम क हिन् मिनासाय। नृत्ती तामना ना हैना नही सान हो सा तैर.४ हेप.चड्रेश। अष्ट्य.ड्रेर.ह्श.चढ्रेय। ह्र्य. देते हिम नु नाद बेम व्हेंश दे स्था देव मालक स क्षेद्र'याद्रदाष्ट्रेदाया ष्ट्रियादुदे सर्द्रदार्शेदाद्रवेषाया ५८ माडेमा ।हिन ने५ गुँ सर्वत ने५। व्हार हे५ पर्यात्र स्था हिंद्र माना व केंब दे विम्राया हिंदा सक्रमामी सर्दर केरी हिंदे रहेश रे प्रश्नाय करी हिंदे. यणना व स्मार कूर्य है । प्रमास्म क्रिय है . ये नामा व लह हिर् प्रमाशाया रिश्न अभ्य हो अस्य हेरा हिर.

कॅश दे अश्व पर देश हिंद ही दुश व अर केंश दे न्युत। र्ह्सानेदे नुस्य व प्यता हिन् न्युताया ननाना यदे भष्टर््री ह्रस्यानः ह्रिया । हिंद्रे ही : ५.४५.च। विंद्रिक्षी ५.४५.चिंदिक्षी ५.४४.च.स. नक्ष्या भून यरे सक्ष हैन। क्षा मार लेग। ૽ૄૻૢ૽૽ૼ૽ઌ૽૾ૺ૽૽ૼ૱ૹૄ૾ૺ૽ૡ૱૱૱૽૽ૢૢ૽૽ૼ૱ઌ૽૿ૢ૽૽૱ૡઌ૽૽૱ૡ૽૽ૺ૱ૡ૽૽ૢ૽ૺૺૺૺૺ૾ૺૺ૾૽ૼ૱ૹૄ૾ૺૺૺૺૺૺ૾ૺ૾ૺૺૺ૾ૺૺ૾ૺૼ૱ૹૄ૽ૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺ૾ૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺ पकर य.ज.धु.चर्झ्स.च। देवर व। वुस.च.के. वा नननायायान्त्रीका सेन्ननानान्दरसाम्बर ननान महेका क्षेत्र ननान में सर्व हैना ननान त.चोट.बुचा रट बहुर्.राषु.झुश.रट.गु.रेचाचा.चे. नगाना पुत्र नु : क्रॅब्र नाल्क : क्रे क्रेक : या 🔻 🕇 चे र : वा वुमःसेर् द्वावर्ग ।स स्मेर र्नामा मी सर्ह्य हेरा रेचोचो.त.चोट.बुचो ।रट.यहूरे.तदु.झुश.रट.ची. न्नाना-मुःचनाना-पुत्रःनुःक्र्यःनाल्यः द्येवःय। न्नेःव। क्र्यानीवयः सेनामा अप्राप्त क्रमान्य अप्राप्त मान्य । क्रमा

माल्य न्द्रा सुर् स्वेत राये साधित न्यामा । न्द्र ख्नाह्य ना^{के}हा मा ता तस्ते दे सारी सा प्ये दे निमा । हिंहा . माल्ब स्मानश स्नित्र गों स त्येव पते स फ्रेंद न्मान ५८.पत्नी ५वे.रेस.पत्नेना झ.हीन.हेंन.वें.हेन यर बदासी बाद खुराहु। सुसासेद स्पॅर्य द्वा खु क्षेत्र केंद्र चर्च हैत्यर बद्ध के बाद रेट्य का केंद्र पा ळॅर् यन्दा ५२ मुझ मार्देश मार प्रेक रें स या व রুম'ঐ'ম'ঊর'ঀৄয়'৸ৄৼৄ৾৻৸৻৻৽য়৾৸৸৻য়৸৽৽৽ य स् सुर्ते । ह्रिते सहंद हैन। दुःस ता हेश द मू वेदाया वे:वमामी सक्षा हिंद केंश दे प्येषा क्रिंश हे त्या महमा महिमा नृ बहोया हिंद स स्पेव लिट क्रान्टे त्रिव या दुष्पा मुनाया ही त्य द्रिवा है? हैं। हम्बार्शि र्वाही हैं हैं रामित्री क्रिं देवे देनाश श्रुवे सक् केना क्रिं दे हिंद स्पेका ने हिंद द्रायद्या मार्चमा प्रतिया दे सप्रव लिय

र्चि**र** प्रेश पार्क्स मुचाय। द्वेर दान्नेर पुरुषा क्ष हे नुमान दृ नु। केना मही दे मक्ष हैना यानुषानुषाळेलाहा **नये**रावावनहासमा सुमा यामु छ। क्रेंबार्बे र्ने र्ने क्रेंबे के सक्त के ना हेंना यायार्जेशारेदीर्देशार् श्रूषायाम् । द्रार्थाया सप्पेत्राचा न्येता न्दिस्य दिन्दिस्सेन् मानेसः णात्यामहेवायदे स्त्राह्म द्वार्म प्राप्त द्वार में मार्थिया स्त्राम हिमार्थिया स्त्राम हिमार्थिया स्त्राम स्त् न म के होर लगरा लुमान हुन म ह न न हिन यात्मावमास्यान् द्वानायाः विद्यानायाः विद्यानायाः विद्या वर इंट व से वर्षे । में भें दे अर्द केंद्रा ह्मा यात्रासीटानु बूदायानाटालेन न्देशाचीसाधीनाया रियेर वा हेंना याया सुमाया लेखा यदे । सुरा सूर या इ.वुर्] ।हैं.वु:वन्त्रायक्षायके क्षानके केना कुटार्टा। मक्रिंशः क्रेमिशः चलमा सदी निमा स्मिनः माल्यः नु प्रकर् र्दी मिडेन में सर्देश हैन। हैंस निहेन हिंना

क्रूश नाट हिना हिना य यात्र न्द्र न् तकराना महिना व्यन्ते दःहर्भाषाक्षेत्रान्द्रः व्यक्तान्द्रान्ताकृत्र ।हर्भाष्ट्रमा मी सक्त हैर। सर्देव श्रम या बूटा मामा लेमा । श महिन यानहिन मीश्रास हुवार्सी । झ्रॅन यानहिना है। বুম অব্দাবুম অঞ্বাবা স্থান্তৰ মঠৰ ঈ্বা निविन्त्राच के रिट प्रदेश क्षेट छ प्रप्त मिन्तु। <u>रतेःया ह्यःवःद्रा व्याप्यःवःद्रःमाॐशाह्यः</u> व रन् भीं सर्क हैंन सर्व सुस य व रन् नु हूर व देवेर व गानुसाक्षानु क्रिंग या शार्र कैं वुंबा हों क्ना है तु। श्रेया पहुना नी सर्हत हैं ती क्रॅब देदे पुत्र उद नाट हिन । क्रॅब दे दि पुत्र अ দ্রিবামন্সানর কর্মান্র ক্রেন্ট্রন্ট্রন্ট্রন্ট্রান্সমান্র भें नेर्पा र्नेषा श्रेमम्हना ध्रें व हैं में नास

ल्मामाहेश रहे रेस महेता है हमा ५ हैं हैं। हॅना स दु द द द । जु जै हैं न यर हें न र पर दें न क्षे.पर्। । अर.व। श्रेय.पहनाय हेर्.हेर्.में में त्रा हेनायत्र। हनाबाह्मबाह्यास्त्रि ह्में त. प्रहें ना ची. सक्ष हुरी हूं श रेट्र . लेल. ख्ये. चीट. बुंच ।कूश रु.रेट.लूबे.एच.घवेश.टपु.कूश.पीय. र्ष्परवा हिंराणैयास्यया होर या रहेरवा म्रैन.पर्देग.पर्दिल.पुर्य.रटा श.पर्दिल.चर्. नेशयाम्बेश द्येरावाह्यामावेशस्त्राह्यामी द्यार चुंब डे वे.रेटा कर.व वर वड अट्व शंभ वधवा उर हों । प्यद व हे मार्डेश ग्री सर्वव हेरा क प्रश ૹ૾ૺ.૱ૢ૾.ૡૹ.ૹ૿ઌ.૨ૻૺ ૱ૢ૾ૺૺૺૺૺ૾૾ઌ૾ઽૺ૾૽ૹ૾૽૾ઌૺૹ.ૹ૾ૺ.ૡ૾ૢૺૺ૾ૡૹ.ૹ૿ૺઌ. र् . भे. हेर मालेश दिए हों । मालक सेया मी सक्त केरा ৼ৻৸ৢ৸য়৸৸ঀৣ৽য়৸৸ঀয়৽য়য়৽য়ৼ৽৸য়ৼ৻ঀয়৽ৼৢঀয়৽৽ नर.मे.मदु.क्षा रमे.या माकेश.लया सर.

रचाचा ची खेला चा है। वुसासी दुर्ग है ता पुरासा र्वेद्यायः वृःतु। सः येदः र्मामाः मी वदः श्रेयः यः <u> इत्रेषा देव जे मलक सेया इत् वे मलक</u> श्रेत्राम्बुश्च। ५८.च्.श्चे। विश्वादात्राध्येश्वाध्यश ज्ना या भू न न है हा या है। ह्म या था नुहासा भेर पर प्रमापर इंट पास तु। सहर हैं र गु सर्व १ है। इर् क्रिंग मासुसः क्रिंग सर्व १ है है स प्येत पदे सहत हैन। दें हें से मासुस स हिए मा মর্ক্তর-রুব-মর্থর-জুব-রুধ-মুধ্রম-র্থন-র सर्जं मा अति परि सर्जन के निष्ठ के का मा शुका " संक्रांचा लामा सर्वन हेर रामा सर्हेन नुदे सर्वद केर्। इस स्पर् केर मासुस वट मार्टा ८हॅन नुेर र्रेंस मासुमर्कंट प्रेस र्रा क्षा क्रा क्रिंर র্ভ্রম:নার্ক্রম:র্ভ্রম:ব্রংব:ব্রংব:র্জ্য-নার্ক্রম: क्ट.च। बुंबाणुटाइटाटी सिक्बामिबुट्र सर्बा

हैं। अर्द्ध हैं न गुरिश सर्दें द सर्दें न सर्दें न सर्दे न सर्दे न चुर पा अर्ळव कुँद गुँ हुँव याद्येखा साम्यः মনী মর্ক্র 🖣 শূর্ণ টুরা টুরা ইম মনী মর্ক্র 🖟 শ ট্ৰীস্ত্ৰী মৰ্ত্ৰৰ শাৰী মে মী শাৰ্ম ঘাই মৰ্ত্ৰৰ গূৰ ট্ৰী र्श्चिन दि: माशुक्षा द्ये देश दिल्हा व या स्ति मी सद्य केर दे ज्या श्रम्थ पर देश सामि स् राग्रेर पर्ट . .. कें। ब्रेन स्निश्निश्न प्रतास मिन्स न यह या साहित वास्त्र तुः नृता वायदानी अर्द्धक हैन नुष्य स्वर्गन यपु.क्र्.सर्<u>च</u>, इव.चीश.य.जट.ज.िय.कुश.य. खे.वी..... ५८। इ.न.पट.रे.अष्ट्र्यंतातात्र्यं में श्रमीशावर्थाः यानग्रें पर्दे हैं। व्यासम्बर्धिया पर्देश पर्देश नान्यः यः सः स्त्रों । प्यतः ना सर्व हेन स्र हिनः ह्याः ल.रे.चे.च। रट.र्ज्ना.इश.स.मीया ट्रंब.र्ज्जा. নার্ব দেরী না প্রত্ব টুই প্রত্ব নার্ভ লে শু নার্থ यदे अळव केर हिर हिर हिर ना सुस्र। र्य रेस

नर्वतः नायदामी सर्वतः हैन नामायदानर्गन्या सः इते सर्वर हैन नु व ना बन्ध प्रस्थायः नग्रिन्थ वर्षे । । सर्देव व स्र र द्वाराय न्हे व। रट स्ना च क्षर नु स सुन या इ क्षर म्लिक र सूर। ষ-প্র-সেক্র-নার্-মে-ম্-নার্ম-ম-ব--নার্মা সক্র-<u> क्रेन् इन्या अर्ज्ञ केन से हेन यान्या अर्</u>जेन वु से हेव या मार्डेश है। सर्देर व हर हिर हिर मर्सु र य રે રે ત્રાના ફેશ ના ફેશ ફે સુસા હ ક ના ફેશ સુ ન વર્ णुट दमायानाकेर सेन्न् हिंसाणी सक्द हेन् हीसा विपृ.रम्बारार्ट्य.सैंच.वेंरा.मिंडमारा.से.वी हश.क्र्रा ঢ়ৢ৾ ॱয়৾৾ঌ৾ঀ৾৽ঢ়য়৾৽ঢ়ৣ৾৾৽য়ৼ৸৾৽ৡ৾ঀ৽৴৾৽ঢ়৾৾ৼ৽য়ৼৢ৽৸ঀঀ৸য়৽ गुःर्भव:५४। महमकागुःर्भ:६मा:य:३:द्या यदे सक्र हेर्। ह्नायायारीना संस्कृत यस लॅम्। पर ड्राट मदे क्रिंश माट लेम । न्हें श सं स लुब.या हूंचा.य.ज.चिचाश.श्री.श्रट.च.के.वी ह्र्चा.

र्देश गु सर्वन केंन र्देश र् देश राजा हरा गु सेंद रहत र क्षट मरे केंश माट लिमा निर्मा से सामित मा हेंना त.ज.चंडिचंश.धु.स्च.तर.कॅट.च.से.वी 臣幻. व्रॅम मैं मन्द्रमा के हैं मर्द्धका रेट्रम्प्रत्र मदी मलेट्र यर डूट ट्रा | द्रिट शर मून्य केंद्र त्य ह्र स्ट्रिन नी सक्त हिन में महीता हिन महीता हिन हिन स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स ५८ भेवा हिंद्-संस्थेव दे हिंद्-संस्थेव या हिंद गले मुन। हिंद हिंद रहा सामित सम्बा व्यव ने मिंद्र व्यव यामाद इदाव्यव या द्वार मा हरायें मा हरा র্শি। ইর্মানা শুরী বা শুরী মান্যা संभित् नी व्हेंना हैंश गी सकत हैन। हिंन ना ले नाना हिंर्।हिंर्-रद्याधिकाया सर्वक्केर्-भ्रास्त प्येष मुं मूर्मा क्रिंश मुंग सक्ष केरा हिर्न मिले मुना चित्र । चित्र प्रदास्योत । चित्र प्रयोत । चित्र प्रयोत । चा मर्केन मुन्द्व विद्या । नदः स्वेतः नदः नदः सः स्वेत नदः

श्र-श्रूटार्ट्न। १। द्यात्मःहश स्त्याःमीःश्र-श्रुद्र-तु चल्याःयःयःप्यद्र-यद्दः स्टान्प्रदेशस्याशः विवाद्यः।

रट. र्वे. हुश. र्यमा मानव . ल. र्ययः या ल। हमाश लट.रेचा.ची.सक्षेत्र.हेरी क्षेत्र.चीश्वेंश.क्षट.ची क्षेत्र. নার্ম র্ নাম জিব। র্র্বাম ক্রম দ্রী মর্ক স্বী हनाय हे चुन गुँ वियाद हें किया छन गुँ खेट हु ঀঀৗ৾ৢ৾৾ঀ৾ড়৸৾ৢঢ়৾৸য়য়ৢ৽৽য়ৼ৾৻ঌয়ৼঢ়য়৾৸ঢ়৾৽৻৻ৠ हेशः हितः गुःसद्वः १९८। हमाशः देः श्रुवः गुः श्रुवः द्धाः द्भरसमुद्र सुनिह्यामि द्राया स्पर्न पर दिशायदे रहेला ह्मा हिन गु. भक्ष केरी हेमार हे हैं न गु. हिं त है र भ्रा.भर्येवं स्त्र्रेचीश्व.ल.भ्रहेन्द्राचि वंदर हिशासह श्रिली लटः व द्वारा प्यार ना मी सर्व केता व सुव पुर र र ৡ৾**৲**৾ৠ৾*৾ড়৾৾৲৸য়৾৾য়৸য়৾য়৸ড়*৻৸৽৽৽৽৽

मार्थियः क्ष्रेने स्वरं मीयः तपुः हेमाया देषुः स्वरं मार्थाः ^{লু মর্কর} কুরা বস্ত্রীব.বি.সে:১৯২.লু হ্ব-প্রশ मुवः नश्यः मादः स्यदः शः विमाशः सादे मादः अम माशः दे ने मुन गु नेश पर्ने के राज्य मु हे ए नु न नि पर्ने র্ভ্রম'নীয়'ঀয়৾ৢ৾ৼ৻ড়৾য়'ঀৼয়য়ৢয়'য়য়'য়ৢয়' यदै रहेल। दुँर के राउदानु रहें प्रति मार अना नीहा 'मुव'यदे'हेश'ह्व'णु'सळव की मुॅर'ळ रूपकार क श्ट्राचर् माट वना मीश हर रे ब्रुव गु ब्रुव रहेल द्रा सम्बन् सुन्। सिन् न ता स्त्रिन्य देश स्त्री न स्त्रा মুব বন্ধ ক্লিনা দ্বিব লী সম্প্ৰ গুৰী বুনি হা কু হা ठव:रु:सॅट:नदे:नाट:बना:नीस:हमास:रे:ब्रुन:णु:की····· सरीय.से चोश्च.ज.भुर.त.चि.्यर.एश.तपु.श्वण र्था न्। हेस हॉना नी सर्द्र केन निंद स निक्र मुक्त नी स नी हेश हिना उस मी सर्व १ है र प्येव वी । विश्व ५ देरे क् संख्यावमा नश्चित निष्ठे के संख्य मी सक्य हैना

ने भूत गु खु नाम निमाय याता मादा हो । ने भूति गु णु : न ^{मु} व : नु दे : के र : जो : द्याना : ना है : . से.ची पश्चेंच.चेट्र.क्.स.मी.भक्ष. हेरी हे.श्चेंच.मी. क्र अंख्यानी खेट र्रम्भायानीय रममामन मुना से देना.त.के दी। अर्बेब.क्रि.नाश ग्री.शक्य.केरी श्रीय. क्ष्य क्रेर.चर्सेंच.चेट्र.क्ष्य.ग्रेश.श्रु.ह्र्.च। विश य द्वः तुर्दो । श्रे अधुकः र्युमाश गु । श्रक्षं रे है र रे मि क्र्म ।रमुःबा मालबःचा समायःमा स्रेरः য়[৽]য়৽য়য়ৢৢ৾৽৽ড়ৣ৾৽ঀয়৽**ৼৼ৽ঀয়ৢয়৽য়৾**ঀ৾৾৽৽৸ৢঢ়য়৾৽য়৽য়৽ पहुरा झ.भ्रदंस.तर.झैंच त.ज.पुंश.वे.हे.वे.रेट. हमासाक्षातुः नदा के विदासी कु सुदी हिमार्था लट.रेची.ज.चोटश.टुश.ग्री.श्च.्थश.रेची.थ। ८४श. रट.भ.रेभूचोश.तपु.सेचोश.चोशिभा एयेश.पीपु. हुनासायाः न्याः सी सर्वतः हुनाः विषयः साशुक्रास्तरः

यदी मान्द्र के मार्था मार लिमा रहा त्यश्र हर्षा प्र ५५ र्-ुम्रःचदैः**व**ञ्चवःविदेःद्वरःदेःवुदःर्-दवेषःव रदःयवैदःभुःदेवाशः अदः रवाः मी सळदः १९८। असूयः देवाश.लट.रेवा.चोट.ढुंवा ।रे.झैंय.ग्री.चझैंय चेट्र. ळॅब:फैव:व:मिॅर्ज:ग्रुं:चर्मा:मार्डमा:यर्दे:हिव:मुेर:फैव... या सन्ध्रेनासःयदे ह्नासः षट द्ना नी सर्द्व हेन। क्ष्यानाशुक्राक्ष्टायदे ह्नाश्राध्यान्त्रम् नाटालेन हे : ଞ୍<u>ଞ</u>ୁଦ ଫୁ : ၎**ର୍ଟ୍ଟ ଫୁ** : ପ୍ରଦ୍ଧି : ଛିଁଷ : **ଦି**ଷ୍ଟ ଷ୍ଠା ସମ୍ବମ : यः स्वरामा प्रयक्षः हमारास प्रमुखा **मु**ळ्ल ह्यूमा क्रि. २ हूर ब्रिया के क्रि. क्रि. व्रिया के क्रि. व्रिया क ब्रुवा मुंदे हुँ ब्रुवः यदे त्यस्य हमार्थः नार्थः नार्थः य दे सर्व हैन। ने सूच मुः द्वार न्नार ना हैना। ਜ਼<u>ਜ਼ੑ</u>ੑਫ਼ੑ੶ਜ਼ੵ੶ੵੑਫ਼੶ਖ਼੶ਖ਼ੑਜ਼ੵੑਖ਼੶ਜ਼ੵੑਖ਼ਜ਼੶ਜ਼ੑਖ਼੶ਜ਼ਫ਼ਖ਼੶ਜ਼ੑਖ਼ੑਜ਼ੑੑਖ਼੶ਖ਼ਖ਼੶ विचःचा नवेरःवा विःवदःवःस्थःम्वदःच्दःक्षेदः र्नु तुःस्याम्भी माञ्चम्याद्गात्रुरायाः स्त्रुतायाः सः

वरमानु र्रेन् इराव हुन्या शुमान्य या सुर्ग । मीव्रेश्चराये, भक्ष. केटी क्षा. मीश्चराक्षर पर्य. मीटेब. क्रमाश्रास्य न्त्रामादालीमा । मदास हश्राच १५५५ กู้ราสร้าร้าฐสาทิเสฐสาสร้างสังเท็เราสานี..... र्षेत्रया निर्मरतिनुष्ट्रतास्त्रीर्ष्येत्रनुष्ट्वयायय। नु न द्वाश शु न मेरिया वृ मुर्ग । शु मा मा शु म मेरिया मेर न्ये हे सम्बहेत। रेग हेन हो स्वाप्त हेन हन से स रट. मु ज्ञु स द्वा रा हुव दे सूट पर ज्ञूप रा ता हुवा वैट.३४.पुराइनासास्यान्यर्गासास्या पहिंद नियम् केश कार्यमाल्येन क्षा नील्य पर्य मुं ळ्ट्र.चर.झूच.च.च.च्यट.कुट्र.चर्था.चिव.चरू.चूः.... मेर्-द में भ्रे पदे रहें अर्थे हमाश सु मिर्ने पर ह स्ट्रे। श्रुना मरेत रूट कु र्थेर मर सू माया या रेश माया त्र चुट मानम् निर्मास्य । मानम् विष् मी हिमासः **लट रेचे.ज.चेकेशलको विरे.चर.रेचे.च.चर्छ.रट.**

नबिव मी न्मारा अदः नमा मी सर्वत हैन। रद नबिवः मु दिनाश स्तर ने नार हिन हिंद है अप नहेंद स्तर मुक्षः हिं गु क्रिंमा या हो दार्क्या सार्या स्वीत ब.झ.भु.५म.झून.ल.र्ट्श.स्.चर्म्.त.स.स.स. য়য়ড়৾য়৻য়৻য়ঽ৾৻য়ঢ়৻য়ড়৾য়ড়ৣ৽ৼয়য়৻য়ঢ়৻ঽয়৻য় सर्वर हैन। नार लेना ।हिन् हेश महेन् पदे स्रुधः हिंदाणु से साम होदार्क्स प्रयासाय। द्वीता वासे न्न्यक्ष्याय वान्ता वान्न्यक्ष्यायदे महामलेका मुँ हमारामाहेश न्यासी मुस्यासी ल.श्चे.र्व.१नोश.शं.यग्रे.त.के.वेर्। विशेश.त. त्रा चहुंश्र.च.र्ट्श.श्र.पद्याय.च.र्टा वीचीश्र.ज. ८षट्यायदे प्रतामित्र मी मित्र मिल्या प्रति प्रति । नविदा झ.भ्र.देना.झुन.भ.मु.मुद.भर्भःभुर.न.दन्मर য়ৢৢৢৢৢয়য়ৢ৾ৼৢয়ৢৢয়ৢয়য়য়ৢয়য়য়ৢয়য়ৢয়য়ৢয়য়ঢ় वुर्ते ।स.र्स्रमस्यस्य म्मासःस्य मान्यः

भ्रे-ह्राट च.भ**.रभ्रे**म्|स्रायदे-ह्म|स्राप्पट-र्मा-मे| सर्वतः ૽૽ૼૺ૾૽ૹૢૻૢ૽ૣઌૼ૽ઌ૽ૢ૿૾ઌૣૼઌૣઌ૽ૺ૱૱૱ઌ૽૽ૺઌૢ૿ૡૺ૽૽૽૾ઌૻૢઌૼ<u>૾</u> ग्रीटां रे.र्बे्ना काळेंबा उदानी नाटा चना ता नासूर की व इत्या रचेरवा अनुवामिले परेराका अमार्वे ৾ৢ৾৽য়৾৾ঢ়৾৽ঢ়৻ঢ়৾ঀৣয়৽ঀৢয়৽৻ঀ৽য়৽ড়৾৾ৼ৽ঢ়য়৽ঢ়ৢ৽য়৽য়ৢৼ৽ঢ়৾৾ঀ৽৽৽ सर्वेष. मु. पहेमी. तर स्मित स. घ. च. च. च सेष. <u>रू</u>ष. ट्रे..... <u>ৠ৾ঢ়৻ঀৡ৾৾৻ঀ৾ঢ়৻ঌঀ৾৻ঀ৾৸৵৻ঀ৾৻ঌ৻য়৻৴ৠ৾ঀ৻য়৻য়৻ঢ়ৠ৾ৼ৻য়৻৻</u> श्रूट-इट-स्र-स्रेन्स्र-धरे. देन्स्र-लट-रना-मी. सर्वतः १९८। नाट विना । दे <u>भ</u>्नितः गुरिनाना ग्रीदेः ૹૣૹ.ઌ૿ૢ૾ૺ.ઌ૽ૺઌઃડું.ઌૣર્ટ.ૡૺ.સેંચ.ઌૄ૿.ૡ૽ૺૼૢ૽ૣૣૣૣૣ૽૽ૹૹૣૹૣૹૡૡૺઌૢ૿ૺ मार अमा भारतस्य दिन प्राप्त विश्व मा है अस्म है अस्म है अस्म है दर्भेया:खुया:स:**न्**स्रेन्।स:यदे:ह्ना्रा:खट:न्न नी:::::... सक्य. हेरा स.र्यम्रमास. राष्ट्र. हेमास. त्यट.र्या. याट. <u>बुच । घुटे स्चाचा छूचे स्चाया च स्चाया च स्चाया च स्वाया च स्वाया च स्वाया च स्वाया च स्वाया च स्वाया च स्वाया</u> यदी हमारा प्याप्त मारा है मारा

या.लुव.र्वाचा.चाया.सूँ वाया.चाटा.श्रेटा.लुव.या ४ ग्रेषा. खुयाः सन्देशीम् साम्ये द्वासायमः न्वाः यान्ते हो ना कुं सन्भेनश हिन में सन्धेनश रहान है। <u> न्द्रात्र्यसाम्यम्बर्गस्य मृत्यासाम्यक्षाः कृत्याः</u> र्यमुनासःसदे द्वास प्यान्तानां सर्व हेत वहेता ल्यासान्स्रीम्यायदे न्नाया ल्या माटा ल्या ने ह्मून गु नन्न नुते केंश्र सु मुर परे न्देश में ริ เพสาสสารราราชาราชา เชิราชิ र्देश गुै : स्मृ : सु नाश : सः ने गुदः नु : त्रे से सः हिदः ने दे कुं भेर या दिन या हैं त्युर पर्दा स्वर पदी मे मेर्गु मर्द्ध में दे मु मर्टे रू मेर्रु मुन्य पाया ब्रे.मेर् नर्गेर्न्य हुन.चेर्न्स, द्रमेन्स, यदेः हमारु प्यट दमा मी सर्व केंद्रा माट लिमा दे सूद गी <u>इश्.चट.क्रुचे.ल.चट्चे.चोडुचा.चे.पडुल.च। रेनुर.च</u>ी

्वैदःक्षेत्रः<u>णु</u> च्रमार्ह्दःकः,वःयंक्षेत्रःयरः स्त्रूवःयःयः..... क्षित्र भ्रम् । स्याप्त स्थापित । स्याप्त स्थापित । स्थापित स्थापित स्थापित । स्थापित स्थापित स्थापित । स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित । स्थापित स्था यते हुनाशाध्यमानुगानी सर्वत् हेन। शास्त्रनायम લેના સુત નું સ ન્રેમાશ્વ મારે નુનાશ અદ નુના નાદ ….. ৰিন ।ট্রির্-লু-রেম্ম-লু-ফ্রেন্-র্রন্ম **মে**র-র। ই म्रैंच.ग्री.र्चनानी.चेष्ट्र.क्ष्य.ग्री.र्यातबुच.लुच.चा र्घर-४ व्हॅ ब्हेर-ल्पर्य-लुक्ष-मुक्त-र्मा-एदे-स-हुँ न्या व.वीश.त.सुर.तर.झैंच.त.ज.र्जे.कुंच.७चश.शैंच. यते.देचाश.लट.रेचा.ची.सक्ष.द्वेरी ८ग्नेल.लील.स. रुशेन्र पदे रुन्य अप्टर्न नामा हैन । हिर्ने हैं। ৴ৼয়৽ঢ়ৢ৽ড়৾ঀ৾ ড়য়৽য়৽য়ৣৼ৽য়৾৾ঀ৾৽**ৼ**য়৽**য়৾৽৸**য়৽য়৽য়৾৽৽৽ য়ৢৢঀ৾৾ঀৣ৾৾ৢঀঀঀ৾৾ঀৢঽ৾৾ঽ৾য়য়য়ৣঢ়ৣৼ৾৸ঽ৾৸ঽ৾য়য়৾য়য়৾য় न्द्रं त्र व्या विकास मन्द्रेन्। क्वेर-रुक्तुः त्र्याया **वेर्**न्या से**र** सेर्म्य क्वेराय क्वेराय ह्यूय ...

यातानु व सेर्यानर्गेर्या सुदेश । विमाया ह्वार्येता यरै हमाश प्यट हमा त्य न्त्रे न। রথ.প্রথ.প্রিट. ८नायायायहेर्ययदे दनाया ह्वानुष्ठीन्याय दे ह्नाह्या लट.रेच.रेट.। सेव.द्रव.म्.मार्था.पंचायाया यहेन यते दे दरमाहेश दर वे दे सळन हेरा त्वाताः ह्वार्यं वर्षः ह्वार्यः स्टार्मा वादः विवा । यत्रः द्वंतः सुद्धः द्वायः नीयः नीः र्झे द्वः नेः नीयः गीः द्वायाः ः ः मु द में मारा मार्डेश सदी सद्ध है। मार नेना । इत हैन से नाइस दन्य मी से दस ने सून <u> ଲୁ.</u>-ଽଧାଧାୟ । ୧୯.କୁ.୯.୧ଥି.୯। *ସ*ହ. क्रि.सिटस.पेचील.ज.चट्टेब.चपु.टिंच.चुंटे.पंचील रेसूट. णु देयोश : अट. **र**ची : **र्टा** स्थान हे स्थान हे स्थान हे स्थान हे स्थान हे स्थान हे स्थान है स्था स्थान है स्थ Bব.২খুনার.বেডু.ইনার.পেट.২না.নাৡলা ৼ৾য়৾য়ঀ৾ঀ৾ঀ৾৾৾য়ৢ৾ড়ঀ৾ৼঢ়ৼ৾য়ৢয়ৼ৾ঢ়ৼঢ়ৼ৾য়ৣঢ়ৼঢ়ৼ विश्वायाम्पूर्यास्य विश्वायाम् विश्वास्य केश

म्बिरायास्यानस्य परास्त्रुवायायास्यानस्य ८ हेना य नर्गेर य स्वर्षे । इस रहेना से नायस **৫**নাম:ম:বট্র মই :৫নাম স্ত্র:**৴**য়নায়:মই :ৄনায়:... लट.रेचो ल.रेचुे.बो झेब.कुची.स्र.चोबहा.टचोल.ल. यहेब.यदे.रदायबुब.यमाय.रश्चमाश हिय.वुर. प्याय.रेभुचारा मैं.पंचाय.रेभुचारा पर्यंश.ये. ८नाय.रेथ्रुचार्या पचाय.पंजेंश.रेथ्रुचोश.ची म्री. न्दः तम् वाया विश्व विष्य विश्व विश्य विश्व विष र्च ।रेतु.रूश.चबुद्र। श्र.ह्र्चश.क्रें मुंब.क्यांश. र्बे चर्था हेर्न **मू**र कन्य था से नाम महास्त्र साम ळेब.तश.प्रिय.तर.ब्र्ब.त.देबोश.श्र.चर्णेर्.त.के.यी..... रुष्र-विच-त्यर-बुब्-त्यर्-श-सुब्बाब-ब-म्यट-र्ना क्विर कवाश सेर पर स्थूप पर पर ह्वास रहा हेस. টিব-ন৴.পূৰ্-নত্ৰ-ধান্ত্ৰীৰাপ্ত-বান্তন্ত্ৰপ্ত-ধী-দূচ্-ট্ৰী**-**,

चैं ३.क्ष्मेश.सुर.तर.स्रैंय.घ.फ.ध्येश.४२। ट्रेश. <u> ସିସ.ସະ. ହୁଁଷ. ପମ୍ମ. ଷ. ଶୂର୍</u>ଧାଷ.ସ.ଧାଁ ଅଧି । ଦୁଷ.ସ...... রূলার গ্র**ন**র্রবর কুর কলার হুন নেন শ্রুন ন ... ता. हे बार्च १ . च. देवा. प्रस्ति चरा हिवा पर बुर्य.राजु.स.स्रुम्बाराय.माट.म्बा.स्र्मारा व्यामीय...... ড়ঀ৾য়**৾য়৴৻৸ৼয়ৣ৾ঀ৾৾৻৸৻৸৾ৢ৴৸**৾ৼঀ৾ৢ৻৻ঀয়৻ঢ়ৢঀ৾৾৻ বহ-বুৰ্-ঘ-কৃশ্ৰ-মূ-মূশ্ৰ্-ঘ-মূ-ন্ত্ৰা तर.ब्र्.तपु.श.स्रुच्।श.व.मोट.पर्रश.श्री.स्ट्.मुर्..... मुद्राक्षाक्षाक्षेत्रायराञ्चयायायात्रात्राचात्रव्या क्षेत्र.क्ष्मा.स्र.मावश.पमायाया चहेत्र.चये.पमायाञ्च..... नुभेन्थायदे नुम्बार्ध्या स्वायः । स्वायः यदे : र द विद : द से मार्स : य द वि । स्मार्स : य दे : प्रवास त्रान्य निष्य क्षाया निष्य क्षाय निष्य क्षाया निष्य क्षाया निष्य क्षाया निष्य क्षाय निष् **२**श्चेम्बर्यायले स्रेप्यु मार्केश्स्य स्राम्य प्राप्त मायाः

यक्तरसेर्द्रि हिन्स्यापरार्मात्यस्त्र इश.मे झू. वश.रेवे.वा झैंच.देवाश.लट.रेचा.रेट. <u>५नान-६नाक्ष-७८:५ना-मान्नेका। सर्वन-५५-५</u>रू-५लीना रे.श्रुवःणुःहनाशःभरःहनाःनारःहेना ।रे.श्रुवःणुः न्द्राणुः नञ्जूनः नुदेः ऋषः योवः वः ञ्जूनः यः योवः य। देः मार लीमा । ने प्रेश्न अन्यमा मार प्रेश मार प्राप्त वें। प्रविधारम मीम्माधावस्था उर्गणेवाया हैं। सन्। सन्भेनासन्दिन्नासन्दससन्दन्त्री। न्नास अर न्ना य न्नीस यह ही बस न्हे वा रू र्देश-मी ह्नास अट द्वा द्वा मालक र्दे मी द्वा स **अट.र्ना.ना३४.**पशा अद्यंत.३८.र्मुश.पर्लुबा देयाशास्त्रात्राचारालीय । इंस्त्रिय मुशासुरार्म्यः र्श्वम् अर्थान्य मारा अन्यार द्वित या नर्थान्य स्वतः त्यात्रे स्पूर्त मुन्तायदे कें नुप्ता सु तु न्दा में स्वापका

न्त्रीर म्याया विद्यास्य म् स्थान्त्री स्थान्त्र म् चैश्रायान्त्रे चैत्। विनश्यालटार्ना लाङ्क्ष्याची. र्झे वश र हे जा विक्रम मा कि हमा शाया का जा कि ज व सुर ५ तत लिना सुन गु हमार पर दना माहेरा र्ट्स दे बढ़न हैन। नट हैन हे हुन गु रनाना <u> વુત્રે ઢેંચ ઌ૿ૄ૽ રૅ્વ રે બેચ વર્ડ્ડ ઢંચ ઢવ ઌ૾ૄ૽ ફૅંદ વ… .</u> ऑर् गुटरे देर सुँग्ब कॅब कर नी कंर स ता पास्ट ... श्चे.श्वर.च। रेत्रेर.थ.र्ब्र.पत्त्रीर.च.रेर.लेथ राष्ट्र.श्च. सेन्'णु'सकंन्'र्स दे मु'सर्कं'न्'रु'य'सेन्'यर सून्य'य'य में मेर् पर्मेर्पर प्राची महिष्य पर सर्व रहेरा नाट लेन । दमाना सुदे केंश गु देंब दे नेश दर्दे क्रसं रुवे म्ब्री स्ट्रीट व स्प्रेंद व दे दे र मुन्न स क्रस रव मी " क्र-अ.ज.चल्रेर.वटाचा रहेर.वी हे.हेर. **୍ଟ୍ୟକ୍ର୍ୟ-ସ୍ରିଷ-ମ୍ୟା-ସ୍ଟ୍ୟକ୍ର୍ୟ-ସ୍ଟ୍ୟ-ସ୍ଟ୍ୟ**-ସ୍ଟ୍ୟ-ସ୍ଟ୍ୟ-ସ୍ଟ୍ରୟ-ସ୍ଟ୍ରୟ-ସ୍ଟ୍ରୟ-ସ୍ଟ୍ରୟ-ସ୍ଟ୍ରୟ-ସ୍ଟ୍ରୟ-ସ୍ଟ୍ରୟ-ସ୍ଟ୍ରୟ-ସ୍ तरः^{क्र}चे.त.प.ज. क्रुं . खेर . ७ तथा . ७ था . इं ट . इट . थ . रेथु ५ . .

त्राचर्णेर्पाः वृत्ते वः क्षुर् ह्युवः गुः ह्वार्राधाः रामाः मी सर्वन हैंना मार लेमा । दे ह्यून गु दमामा ५० र ळॅबरणु म स्नु र दे वेब पर्दे र ळॅब रहा है से ट व छ्रे णिटा। दे.र्र. स्वेंचाश क्षा क्षा क्षा मी. क्षा साम सम् म्र.१८ य। अट.४.१मश.अट १मा.स.स्याप.६स.मी. र्झे बर्श रहि का रेव सूर कुर कि स्वार कि स्वार का स्वार है व.क्षेर.ब्रैंच.ग्री.धेनार्य लट.रेची.चाहेश। १.११५.हेर. र्रुष्ठ-चल्लिबा द्वायामाश्चर्याः चर्त्र-इमाश्चाय्याः इमा चार हुन हे भ्रिय ग्री र्रह्म ग्री य भ्रिय हुन स्थ व सर्व हैं र स्थेव स रहा। मह लेम हे सुर हैं र्ट्स.ग्री.मञ्जून.ग्रीहे.क्स.ल्युन.न.सर्ज्य ग्रा.क्रुन.हा रहः रुभः पर्वेष। स्नरः द्वेषः सः पङ्चिषः पः पः क्वें क्रेषः पासः श्रीसः तः तर्गोर् रा.सं. वी.र्टा श्री श्री हेना राजः सैंच.च.ज.विश्व.च.चग्रेर्.च.के.विश्र् । हमाश्व.लट्रमा ल-प्रह्मा क्षेत्र मुद्दे वर्ष निक्रमा अर्थेय हिम् राज

त्राष्ट्रिय **चेद**्रादेश यद्गार्था स्था चःन्।}ेशःशुःत्रहुन्।यदे<u>'</u>द्नब्**शःभटःद्**नाःन|}ेश। न्।टः बुच व्रिंदः क्ष्यः देरः सर्वेषः क्ष्यं सः सर्वरः देवाः सः ल्र्-ता चार.बुचा स्वेंच.क्षेत्र.क्षर्येथ.स्वेंचांशा ल.विश्वासायण्ट्रासाञ्चात्राचा । अत्यावृद्धाः वर्ण्यान्याः द्रे.विर्ते ।६नाश्र.लट.रना ल.चश्चेत.विर्.स्.वश्र. <u> ২বু.খ.ঝর্ম.লমা</u> ২<u>ছ্ম.লু রূবম.</u>ভীনাম.ঞী. नेनाशास्त्र देना मी सर्वन केना क्षा मासुसा कंटा चदी मान्ब क्रमाब माट विमा । ते ह्युम जु नह्युम नु स्थित ब.झ.चैट चेचोश.त.रेट.टु.४चीच.त.कीट.ज.हेंश.च.... नाराध्यरास्त्राची नियंत्रात् ह्वासी ह्वासी स्वा ञ्चितः स स सुझ स सम्मित् स सु सु स सुमा झ स स है है है ष्पट:र्मा:मी:सर्द्धव:कुर्। माट:लुंम ।रे:क्रुम:णुः न मुन्त न प्रमान न मन्त्र न मन

প্রমার মের মার্মার মের্মির মার্মার। সের ক্রিমা णु द्वाक्ष**ः अटः द्**वा यो क्षेत्रकृता वाटः होया । देः ञ्चुनःग्रे**'नञ्च**न-तुःश्वेषःष्। देःह्यः सर्वेदः मीःह्यं स्थरा त्युवःयःदेशःयरःखटःयःवङ्ग्धःय। प्येरःव! য়ৢঀ৾৽য়য়৽য়৾৾৾ঢ়য়য়৽ঢ়ৢয়৽য়ঢ়৾৽ঀয়৽য়ঢ়৾৽**৻৸ঢ়৽৽৽** २८.मी.चईष.चेष्र.र्ष.ल.ध्र ध्रु.चर.झैच.त ली न्धन्य मासुस्र मीस न्मायदे सुद सर्गेन्य स् सुद्री। देनाश किर हैं ए. मी. भक्ष १३८। देनाश री. प्राप्ट. यःमारः लेमा ।र्द्धयः माश्चर्यः स्ट⁻य। स्टः ब देरे अर्थ के देश वश्चित वि स्टामीश स्ट्रास्त स.मींच.राष्ट्र.मोट.वची चीश.क्ष्म.मोश्रीस.क्ष्टे.सश...... दनायानदे निमारा के सक्र केन। सुनाया क्रामान विदासियासास्त्री वाक्षायमानु देशासदी नुमाया सादेशा

नर्ने हेनाश भु सक्ष र हेना सु नाश र्र्डश मुन रहेटा वियायाद्वयासान्द्रासु व के ल्या नादानु प्यासा देश या लट् वी से चीश. प्रश्नामीय श्रुट से चीश प्रश्ना श्रव है । श्रूट नते.चार:बना<u>.चोशःपित.स.</u>ईल.श.र्यट.स्रुपे.बु.लूचा..... निट रेपट साहित यो साम्बीय यदी हर ग्री सक्द हैन देनाश स्थ पर्योर् परामाद होना । सि नाश क्रांश सामायाया ८नायःहनासःयः स्ट्रॅंर मदे स्ट्रें दस रहि द। दहसः रट.भ.रे**भू** चोश.राष्ट्र.पंचाल.धेचोश.चोश्चेश सक्य. ୷୶୲୕ଽ୶୕ଌ୕୵୵୵୷ୢ୰ୢୖ୵ୢୣୄୣଌୄ୕ୣ୷୷ୄୢୖ୷ୄ୵୳୲୷ୄ୕ଌୣ୵୕ୢଢ଼୕୶୷୷୷ <u> इ.वैट.२.४ इल.च</u>। स्रैय.तज्.४चाल.<u>२</u>चाल.मट. ଵ୕ୖ୴**୲**ଽୖୢୢୣୣୣୢୣୣୣୣୣୣୣୠ୷ୄ୕୷୷୷ୄୠ୵୷ୡ୕୶୷୷ୄୠ୕୵ **ग्रुॅं : यर्**ना मुडेमा :यदे :हि**न :** हुेर :श्रॅंब :य। वाट :बेम । ने भूव जै नद्र जै नियम निर्देश केंद्र प्रवास नियम य स्पेर्या इसे रेस मलेता नुः स्राम से से र

नुः भ्रुयःयः अनुः यः दृतः शुः योग्निःयः सुः तु न्यः। भ्रुः द्वा यन म्रुवायायानुबायाहरासुर्वात्राहराषु न्यादे । विदासेदा ฃ๊๚**๎**฿๎ฅ๛๚๚**๛๎ร**๚๛฿ู๛๚๛๛๛๛๛ नर्गोर् साम् सुर्वे । १८ माश्राह्माश्राः शहर् (र्वेशः ही) मु.वंश.रेनु.वं। पंढु.पाश क्र्य.ग्री.ट्.च् मैंच पंटु. त्नायान्त्रम्याणीःसद्धराष्ट्री युविधाद्धरामुनःहरः ने श्रुपः णुः वश्रुपः पुदे रहेशः णुः हो । वे : नहः नियः यः सु वः ु.लूर्चा.रे.टुश.यो **रनु**र.थो श्रै.देचा.तर.श्रैय. य.ज.वेश स.स्माश.श्र.पर्ग्न,परं, वैद्रा क्रिंश.ग्री. विर चर स्रिवायद्र त्यायान्यायाणी सक्ष केरा हिर् বরংর:পূংনেইই:প্র্মে:ম:বর্ষুব:বুই:ভূর্য:ট্রী:চিই.... पर.रे.पडट.परु.क्ष्रारेट.विच.स.क्रे,ब.डु.खूची.रें..... देश'य। द्वेर'द सेन्'स्न्राश'दे'द्रुस'य'स धेव' तत्र खिला द्व नावव रूव ने नाम स्मिन नाम ति ।

कुट. पश्चाशास मग्रीरामा खे. युद्धा । ह्रिशास्त्रा मी. टॅ.चॅ.च सुन पते प्रमाय म्मार ग्री सद्ध हैन। सुं त क्रिंग्युव हिट ले पर्दर्भ या वश्चुव वृति क्रिं गुः रिट्रं वबिट.ला वहूर्.क्ष्लालाक्ष्राक्षाक्षामी ट्रांस्रावहिटा नदै क्रांद्रा हिन्य है व है स्वान र देश या रेत्र-व रेट्श-किंर-मी.वंश-शिष्ठ-दंबी-तर-स्मितात ... यत्तर्यस्य विद्यात्त्र स्वात्त्र स्वात्त्र । इद्वाती । ह्या स्वाती । ह्या स्वाती । ह्या स्वाती । ह्या स्वाती । यरः ब्रुप यदै दिनायः हुनाशः ग्री स्वद्धः हेन। हि दर्दः गुः ऋषा छवानी से ८ पु । मुजा ४ ४ मी या छ छ। २५५ ता वश्चव विरे हें शा है हैं वेंद्र वह हा वह द उँभ भ केंब छब मुँ । प्वर पर प्रवृत्त पर्वे । केंब र्रा ुमामासु व है। सेना ५ रोसा ५ रोसाव सेना सेंहा २5्रम्यायासाय्येकायदे स्यायात्वरा हे माल्का हे का हो हारा र ुन'स'स'**८**नुब'भैद'नबन्बाब'स'मर्गेर्'स'**ङ्**'सी ाटेस परे द्वास त्य द्वे द मार्डेस तस्य व्रुद सॅट

स खेद यद सम्हारम पर दिनास मु सद्ध हैन क्ष्याच्या द्वार क्षा मुन द्वार है स्था मुन क्षा स्था स्था स अर्वेष स्रे चेश चेट जा कट श अर्वेट चे। कट थी र्यु नाश के रामुव केट ने सूच गी सु नाश केंश कर न संट पत्रे.चाट:बचा:मोक्ष:सर्बेश:ब्रे्च्यक्ष:भ्रो:सर्बेश:ब्रे्च्यक्ष:चाट: पालटाश्वर्ष्टाच। नियरात। सुन्गायरासून यात्मा अनुवानु । याद्यवानु नडश सु न्नुन य ता शुन्। नर्गेन य न नुने बॅट मो स देश परे द्वाश ग्री सहत हैन। स देश परे देयाश माट हिंचा । शिंचाश केंश खर ने सेंट रही माट ≅चा.चोश.टे.झैंच.ग्री.सरीय.स्र्येचाश.ज.भर्त्रट.च**८**भ शु... পর্ব স্থিনাধা দে পর্ব দেনাদ প্রদেশী न्द्रा.ग्री.स.ट्रस.स.न्ट.क्षेना.क्ष्य.ग्री.स.ट्रस.स.माक्रेसा सर्वन केर रेस मलेना सुन संद मी स देस मदे कुर नाट लिमा अर्थेमाश केंश रुव पुर्शेट मदे माट अना

म्रीश.सरीय.स्रेचाश्व.श्रा.सरीय.स्रेचाश्व.मश्चिश.म्रा.ल.सर्ह्य... मक्रिस पदी सर्वत केता है मार लिमा छिंत क्रसं उद: नृःस्टः मदे नादः अन्। नीसः सप्तुदः सुँनासः सः ... सर्वेष.स्र्रेच्याश.चाक्रेश.च.जा.सर्ब्रट.चश्राश.चिच.ता **२**ट. নুজে. ইট্ৰ. খাৰ প্ৰথ ক্ৰি নাধা প্ৰ প্ৰথ কৰিব কৰিব নাধা नाकुंश गा त्यासिय सुर र देश । नाकुंश गा त्या देश मोकेश श्रीतहम । अर्थेश स्माना स्थामोकेश श्री <u>८६ना से सबुद सुँ नाम त्य मिय मेर ५ ५ ५ ५ मा या</u> सर्वेष.स्रे चोश.ज.क्ष.चोडेश.श्र.पहिचा.सर्वेष.स्रे <u>चोश...</u> য়য়ৢঀ৽ঀৢ৾ঀ৽ঀৢ৽ঀৢ৽ঀয়৸৽য়য়৾৽ঀঢ়য়৽ঢ়য়৽ঢ়য়৽ঢ়য়৽ঢ়য়৽ঢ়য়য়৽ र्दान्वेर। र्वेर्नेअपविता अत्वापराञ्चयाया त्रामाञ्चरानुःमार्गेर्पास्य सुः ही ही ही स्मार्गेर हर्रा ह्या ेची.तरः श्रींच.त.ज.रुची.वी.क्ष.भालुब.त.केचीशःश्री... नग्रेन्यः सुन्तु। सुन्त्र्यासः चुदः नुन्तु नः यः त्यासे हिनाः न देवाबाश्चानम् राज्यादे विद्रा । श्चार्स्या विदारी श्चिमः

त.ज.भु.६च.त.चर्ज्रत.कं.वेज् । डेच कंष.मु.भः देशास्त्रे हेन्। सामान्ये का प्रमाया स्मान स्य मुँ स देश परे द्वार मुँ सर्व हैरा माट लेगा र्स्नेन् इंश.वर् रे.शूट.चप्र चीट.डची.चीश.टु.ऄंच.ग्री. भु भवेष क्रिया शास भवेष्ट ना रहे हा स्वा है। नर्भः क्षेत्रः चुःषः र्रोतः में गृतः सितः यह क्षेतः यह क्षेतः यह टमाः श्च.प.पर्गर् सः इ.वर्ग । अटः रमाः झमाः स्वः मु अहिं सह दिना अभी अर्ड १ है। माद दिना । स् नाह्य ता सर्वेदाय। नियंत्र व दन ही स्तर् ही हा स य र्य में गुरु सिंदे राम प्रेर पर सूर पर वि दन सूर वर्गोन् यः सुः दुर्दो । सः मुवः यदैः इंगासः सः नृद्वे ता र्व.ज.नर्बुश.वश.भार्चेत। सुःज.नर्बुश.वश.भा मौत। भटः चस्य ला पहें स वस सम्मित पढ़े हे नीस र्टामुह्यस्। र्टा**र्ट**्स-रिन्ने मिलेन्स-मुन-दसः

अः न्यु **र १८ १ अ५ १ ४ १ मुन** सु निश्च महिन यः नक्रेंशक्षासामुनःगर्दे ह्नाद्यान्यः नाह्यः। न्दः व्यापारिकेश देवां सामित्र हें से स्थानी में स्थानी से स् ळ्थ.मु ट्र.च्यू भ्र.मू ५ व्यासम्बुदायाम् १ ह्या द्या देश नबुदा श्रुका.वि.मन्त्रमा.मक्षाःशुःश्रुमः यः व्यापन्ताः नीः ऒढ़ॱॻॸॱॿॣॖॿॱॿॱॺॱॿड़॓ॱॾॗॹॱऒ॔ढ़ॸढ़ॱग़ॗड़ॱॺॱॸॖॿॆढ़ॱॱॱ यःमगॅर्न् यः सृतुर्वे । घः ५५ से ५ दश सः मुवः यदेः हमारायान्ते वा माली हमारायान्तर सेन वर्षासाम्या न्ते क्रिंश प्र द्रन् से द्राया स्मान्त्र क्रिंश द्रन् वा स्टर् मेन्द्रम्भः सन्तुवः यः मासुम्भः मिन्ने । निवे स्मान्यने । A. 원. 호리. 다 도. A. 전 그다. 어. 전 그는 기 전 교실 도. 취 다 다. त्र श्रे ह्ना यः वर्गे**र्** यः दृष्टा ङ्चा श्रे ह्ना यर ङ्चिवः यः त्रः भुःस्चाःतःचग्र्रःतः कः वेस्। विचाशःचक्रुचाः जः चर्छ्रः वसास मुनायदे हमार दी र्येर वा हाना

मिन्नेशः ह्वार मी निवरं क्षेत्रं स्राह्मं सुसानु हुनाय सः हेन्। च्यासायम्बर्धासार् याष्ट्र चुरी हिं র্লেনের্জ্জারমানুনান্দ্রী-নুমানা ব্রাক্র र्केम अन्तर्भ सम्बन्ध स्वरं सेन दश्य सम्बन यर हमारामाहेश। र्ट्स्याय रही व। द्वारा उद् याचे क्ष्मा अन्तरासाम्बर्ग मृत्य याचे क्ष्मा अन्तरा सम्मुदा दे:मार्डेश गुः ५ होता दाता हे हूँ स ह बहा स मीय.च.रट.चोशिषा रेत्र.रूष.चढुषा भःइपु.यैष.च. श्रीत्वायर सुवाय सामुश्रायाम्बर्ग्द्रायान्त्रानु नु नत्रास्यायाय्येव स्वासे स्वास्या स्वास्य ·च-६२-शु-चर्ण्**र-च-सु-नु। के शुल-म्**श्रुस-नु -५नुसन्स वःसः नुः स्पॅर् यरः ञ्चूवःयः यः सः नुतेः ञ्चः मूनाः यः वर्णेर् ः यास्यत्रि । माक्रैसाय दे। द्वेरादाङ्कार्याद्वापरः

चेश.चरु.सुरा ७४.च.सं.चेर्रा ।चीट.≅चे.ल.चर्ड्स. वश्याम्यायरे दिनाया देते वी म्यायाया व हें शावशा स.मीच द्वेर ध्रापान महेश वश्वास मीच। चाकेश. गायान्द्रं अवस्यानुनान्दे कृतान्सुम। द्यो रेस पबुरा यादश.वर. मंश.श्रदश.मुश प.ल.मूं.परे. श्रेभशः भेर्'रु स्तुवःयः त्य ह्येः दहेना उकः वर्गेर् यः स् या मेड्र-सि.तश.चूट.शुभश.केंब्र-दे.श्रुच.त.म। विव.ता नर्तेश्वरं एकु.च.चर्ण्ट्र.च.डे.ची झ.धु.ध्व वर स्रैंच. त ज.भूच. पृष्य ग्री.चिंडर.चै.चर्णेर.च.के.चैट्रा ।रेन्रे. लट नेना नी संक्र केरी नश्चन ने देश संदे हिंद ने **चियायारेकायदे मिल्राम्य राम्या राम्येकायका** समुद्र द्वे प्या द्वा मी सक्र हेरा वस्त्र न देश বহু.ছূৰ্.বি.ছুৰ.জিব.ছূৰ্.বি.চুল.বহু.নাভুদ.লীদ.বা न्वे ना न्देश गुःसबुन न्वे अट न्ना न्या केनास ८<u>५२</u> अधुर-५वे अट.५ ग.म%्रश ५वे २ अ.महेरा

ব্রিশ্ব:বশ্ব:শ্লু:শ্লী:ব্রম:শ্লুব:বার্ট:শ্লগ্লুর ব্রাই:ব্রম: यायमें यासु तु दूरा सूर से स्टार्स स्टार बुक्षःयः छेर् धरः ङ्क्षयःयः । रे व्हार्टा मी कर्मा वार् नर्गेर्'रा'कृ'तुर्वे ।से'सबुद'र्घे'प्यः र्ग'में'सर्दद केरा नम्रैय वि.एस यह मूर्य रे ज्या हिय रहूस सी. देश-पदे-मिंबेर-मिर-मा र्यर-४-विश-पश-स्नु-से-न्ना पर स्रुप पदि से स्रुव द्वेर वस सामद पर्म् त.के.पेर्) रिनु.केर.कैट.मी.भक्ष.केरी पश्चैत. वि. ट्रेश. तर्र. क्रिंत्र. ते. विव. त. हे श. तर्ये. ची बुर. ची बेट <u>बुटा ट्रश्राचराम्बुराया रचित्र ।सर्वरार्वाःकेरः</u> बूट:न्ट:की:सबुद:न्दो:बूट:बुट:बाहेका न्ट:बॅ:दी: सक्षर हैन। पश्चर नु देश पर रेखें नु हेश हिन **ଽଝ୍୶ୖ୶**ୢଌ୶୲ଵୢୄ୰୷ୢଌଽୢୄଵ୕ଽୢୄଌ୶୳୶୵ୢୄ୷୕ୢ୶୶ୄ त्री रहे वा र्व क्रिय हवा है क्रिय हवा है.

र्श्वे रुत्र मुँ अधुत नये न्दाम् शुमा न्द्र ये सान्ते । क्रा.ग्रीश देवाश.ग्रीश.झॅट.। ट्रे.चार्डेश. म्ब र्ड्र म्यू स्वर्ष द्रो हुम र्ड्र म्यू हा द्रो रेड नर्तुवा पर्यास्वयं स र्यवास्यास्त्र मृत्नारामः स्त्रीत रहीः सर्वुद-द्योर-अद्य-द्राः <u>र</u>्वायःस्-रव-द्राः वुद्यःसः नर्गोर् यः सः सुर्यो । माल्बः माक्षेशः रे : लेमा मार्नेमा । भ्र.भवीय.रेतु कर.शिर.ची.भक्ष.केरी वसैत.वे.कुश. तर् र्ह्न्, ने र्ज्ना विन ने द्र्य श्री द्रश तर् मोधूर नहीं लैंट देश यर से बुराया निवेता देव सुदे छन र्श्याय नासुमानी से मधुन नये स्रमासूमा न्य त्ता क्ष.गीश.धु.ह्रा देवाश.गीश.धु.ह्रा दे.चोड्रेश.पोश.श्रु.संट.चट्य.श्रु.श्रयुत्र.चचे.केंट.क्र.क्रंट..... मश्चमा निर्देश प्रशास्त्र सामित्र सामित सामित सामित सामित्र सामित्र सामित्र सामित्र सामित्र सामित्र सामित्र सा यर क्षुव पते के समुद्दारा न्याय र पार्टा स्था **र**टःवसःसम्बद्धः नर्जारःयः सः चुद्धः । । । वरः चुटः देवासः

न्ययः क्रुवः प्रकर्राय या न्याश क्रुवः चीः सर्ववः हेना ने म्रुच गु न्वाह्य हु निर्मे ते ने निर्मे व त्य स्वत हिट हमाश्रास्त्राचर्णिरायो पर्दे रे रे स्थ्रूचा गु हमाश्रास्तर द्या ... स स्रुथ.तर स्रुव.तर, श्रुल चाश्चिष. १८ म्यूर, १ न्या स.चार. लुमा ।पञ्चीय.ची.च्चीय.वेंश.रेट.क्षित्र.माशिश.चाट.?टट. मी.रेट्स.ग्री.र्स्मा.स्मार.श्रमार.श्रदाता रेग्रे.या अः मुवः प्रतेः हमाश णुः क्वेंश दमायः हमाश • णुः क्वेंश स देश मरे हर णे हुन नद महासा द्ये रेस मलेना मु भे निग पर सुव पाय भेग भेग है नहर है नमें यते.क्र.स्.स. १ १म.स्या.मी.१मश्र.स्यानग्रीत्रास्य क्र्यासामुनाय द्वान्द्रा क्रुं से में मार्ग क्रुं से मार्ग क्रुं त्य नुस्र च नर्गेर् चर्रे कें न्नु न्ना न्नुच गु न्निस सु चर्णेर् व विच च खेर हे त्यंन र देश च खेर प्राप्त हो हेना.चर.श्चेत.च.ज.चालज.चे.चर्ण्र.चर्.क्.झू.हेना.... तर स्रुव गु देवाश शु वर्गे व विवयं द्यास द्रार ही व

है सम्मानाट नु स्पट अधिक च देश मुद्दी । देश द हमास शुर्व ता मोले मीय तश मिय ता हे मोश शुर्व उव ता निक्षेत्रम्य स्मान के देनास सु र्स्स हो । हिनास स्मान ५माम्बेशसळ्यक्षेत्रणै सहस्यानु स्रेव वामाले सामुनः বর্লির:১। প্রর:ব:স্ক্র:র:র্ল:ব্দ স্ক্রুব:বর্:র্লার: लट.रेच थ.लुर.च रट.शूच चुंश.ग्री चंडट.चे.झै.शु. . हना यर <u>ञ्</u>चित यदे हनाश भट दना **भे**त या के वि है कृत्राक्षः प्यटः नृता मी विश्वयाः युः प्रेवः यदेः युः रही ঀৼ৾৽ঀ৾৽ঀঢ়৾৽ঀ৽ড়ৣ৾ঀয়৽ঢ়ৣ৽য়ঀয়৽য়ৢ৽ড়ঢ়৽ঀৗ৾ঀৼ৽ঀৢঀৗ৾॥ नवे:र्र्मुत:रो:अळत हैन। ने:सून:ग्री:नवेन:वर्गेन्:यो:यें दे विकाया स्वालिया दे हुन गुरे नियम में मिल से वि नशिभः क्ट. यट्यः स्चाशः चाटः लुना यश्चीयः येः ट्रशः यत्रै .शृब् .टे .मिय .त. हुश .तपु .ची बुर मी र .तपु .र्ट्श ... णु र्स्न स्मार्थन स्था र हे न समुद्र र से हैं न

अं अधुन प्रेपे क्रिंन मार्रेश प्रो रेम प्रेन खेश.द्व.भ.**र**्षेत्र.तश.श्चॅ.देमे.तर.श्चॅप.तप्रश्चेत्र... ... रवेर वुराय पर्यो परि हो हमा यह हिंदा स व.रटा विश.वयामान्ययामान्याम् म्यार्या स् য়ৢ৾৾৽য়য়৾ঀ৾৾৽৴ঢ়ৢৼ৽ঀয়৾৾৽য়৾৸৺৻৸ৠ৾ঽ৾৽য়ৠ৾৽য়য়৽৽৽৽ धु.र्<u>ब</u>्ट.च.के.येड्रा म् वकः देवः हेरुः दयमा मानुकः त्यन्ययः याः त्या दर्देशः <u> ୧୯.୯୫ ସ.ସି.ଶିବ.୯ଟ୍ଡିବ.ଶୂଧାଶ.୯୯୯୧.୯.୯.ଧାର୍ଥ୍ୟ....</u> मोलव र्व हरा दिया मास्रा अप देना देना. WE:रना:नो:सर्दर:केरा र्ने(अ:स:रE:मीस:संर:सस: चैंच.तपू.सेचाश.ग्रीश.ष्रील.चाश्रीश.स्री.स.म्पूल.ल.क्षेची.. कर.ग्रेर.तर.क्रॅब.र द्र.टमी.लब.लमी.मे३ेश.केबी रेतु.व। प्रेश.लक्षा क्षा.कर्षेव.श्वर.वी.श्वर. सश.मीच.तपु.र्श्चेचाश.क्ष्र.र्टा हुश.पिच.स्रुट.स्रॉथ.ज.

५८४ शु भूना कर से र यर में र यह रामा अ समा मानेश ख्वा नचेरात मारा गुर्शा हो हमा नचेरा व.वीस.त.चढुंब.झै.वु वीस.ढुंस.तपु.टचा.कै.वीप्। ळूश शुर्थ श्री र मी स्मितात्मा लट रेमा मी सर्वर ⁸ । ক্রি'ব ২০:মীয়'ড়ঽ'য়য় মৢব'য়ঽ'ऄॗ॔ন|য়' क्र्यान्दः व्यानितः दुरानीयाया समा करा होना यह र्बेद यरे प्ता अद समामहैस स्वा र्येर दा निट देनी यास निसादमा स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्य ७४.तर्.त्मा.के.वेर्। विर्या विर्या विराधना केराक्षेत्राची. सर्दन केरा स्वयः प्रमान स्वापः स्वयः स्वरं नाट. इट. इट. ख्रेच. या ५ हो. च. नाशुक्र त्यका ह्यें. श्चिंद रहद भी भून रमा सूर र्ष्ट्र रही श्चिंदरे रहेंदा रहता श्रेमश्रासेन् प्येत् हो। क्षेु प्रहेमा उत्राप्येत् पर्दे सुरा मीडिमोश.स्मोश.चड्डिश.ड्रेश.चर्चु.टमो.के.चेर्] ।र्रे. भ्रुव रुव मी भ्रुव रामा स्ट्रा रहार वी भ्रुव रहेना रा

लूब है। जैमाश रट.शरीय ज्रीम श माट १८८ लूय. तर होर। देश पर रामा है ही। हैं हैं ब रुव हीं ञ्चित त्म क्र. इंट. दी नियं र व के के के कि की वुशाय भेदायदे द्वेर। रयेर द वुसाय पहिदा ञ्च.लट चेश रेट्र.क्रुं र.सॅ.श.२च.वुश.पट्र.टच. देनाश अट देना या यहेव वहा ना हिंद में यर है या र्ने ना रूप्त्रं मी हमाश्रास्त्रमा मी मह्सून ह ५८। म्बिर र्ने मु र्मिश स्पट रम् मी महुन्य छः नाकेश रहारों दे सक्त केर ह्या खर र र हेना शर् हर श्रस् मीयाताला पर्रेष वश्रामी सूर्या पर वि.ची मीलेषः च् तु.र्यु स्माश क्रुश.जि.श्टाचा लटाय पश्चीय. विर.ध्रा.पुट.स्प्.चरा.चर्सिय.वी.भाषश.धटश.या क्र्य.क.बी गीब.जम.चरेंब.जमा डे.च्.च्रि.ब.

२८ हे**र.२**८.। ।८ र्र. पर्ये . भ. पश्चा यहेव चे.च। बुश पर्वैष्य क्षेत्रात्री रे.भैय.ग्रे.ह्रीर.सूल हुश. र्द्रास्यसम्बुदान्त्रेदासम्बद्धारायसम्बद्धाराम्यसम्बद्धारा ञ्चन णु ञ्चन छे*र रु नर्गेर् न*िव न साम्राम्य । ઽૺ_૾ૹૣૢ૾ૣ૾ૣૢૢઌ૽૽૽ૢૢૺ૾૽ૢૢૢૼૼૹૻઌૹ_૽ઽૣઌ૽૾ૢ૽ઌૢ૿ૢૡ૽ૺૢ૽૾ૢ૾૾ૢૢ૾ૢૢૹૣઌ૽૽૽૽ૢ૾૽ૢ૾૾ૢૢૹૢ૽ઌ૽૽૽ૢ૾૾ૢ૽ૢ૽ૼૹૢ૾ઌ૽૽૽ૢ૾૾ૢ૽૽ૢ૽ૼૹૢ૽ઌ૽૽૽૽ૢ૽૽૽ૢ૽ૼૹ૽૽ૹ૽૽૽ र्मा रेख्नुवणी में यन ले प्रस्तर्म पर्मा रे ลูสาทู้ ซู้ ราส์(มาทู้ผาสราสผามาสผมาาสุมผา श्री भाववर र्व. मी. से माश हर हिंद मी सर्वर हैता मृ तिया शुक्ष प्रायवका यदे कें नाक हें नाम लिया ट्र. च्र. इ.स.च ४ . जूबा हा सा. च्र. चा ५ . च्र. च . च्र. च त्रश **मी**य. चुच. तर्ह. तहें स्वीश. केंट्र डीट. ही. ही. ही. द्वा.तर.क्ट.शश.मूच वेद.यदे.चाट.वना.मी.ट्रा ञ्च-म्री-मृन्य-**र्मः प**रुषः पर्दे के ज्ञ्च-म्री-मृन्य-मृन्य-বুর্ ।শ্লুব-ব্রুব-দুর্ব-দেল্ট্র-দের্ম-শ্লু দার্য-শ্লুক-ङ्कटान्त्री ञ्चरक्षास्त्रराञ्च वारात्राञ्चरक्षास्त्रा

नर्गेर् पत्रे के ज्ञा है हमा या खा सुद्री । क्रिया या द्रममा पर्टे, सरे. तर्. से चीश कर हैं हैं हैं। चूल चर्र र्जर चाड्रचाश निष म्री. जिट विश स्थित्य विश विश स मुन्नायावमार्भ्यत्वाच्यात्री मिन्नायालेयमार्थः पर्र. यह से मारा हर हो प्राप्त स्तरा हर । श्रेनाश्चिम् यदमा देव न्त्रेन स्म स्मूय यर पर्देन वसा टमा- नृ क्रीमा क्रामां का मालक रहें के मुन्न स्थान यते के बीना संनिधान लुका देवा चेता । नश्यान. विचाश नार् ही चोश क्षेर झेट हो से शहें र चुःसःर्भेदःयःद्वःच। नह्मसःनदेःसर्द्वःक्रेद्। दसः यक्षत्र द्वार नार होता । मिर् गुः स्ना सु नाहा गीः र्देर.कर.सम.मीय.च। रेप्ते.य.चाक्रेम.लमा मह्ये. श्रुमःनश्रयः मदे सर्व हैन मदि लेम ।हिन गी न्देश गुः विना सु नाम गुः न्वामद्वा सुमा कन समा

मुवःय। दवेरःव। क्षु मन्दःवःस्यः पदःयः दुर्वे। र्द्यार्या स्वित्रा लुन्या गुःहेश र्यमा मी प्रथम परि ... सर्वर हेर। नाम हिर्दे गुँ रिट्स गुँ स्मिन स् नामा गु र्व नद्या द्वे वया लुनाय गु हेया नमा मुश्र-मीयःया रेत्र-था श्च-ध्याःय के.वी मीनाशः यते. हेस र्यमा मी प्रस्य प्रते स्मर्क केरी चाट लेगा चिर् गुै र्द्य गुै स्नि पु न्या गु र्द म्मान्य पदे हेश-न्यमाम्बेश-मुव-या न्येन-वा ने में रहन ञ्च.चरु.श्रुश चह्र्र.श्रु.२८.के.२। लूर.कुश.चश्रण. यर् भक्रेडी क्रि. विश्व सिंद्य स्था सर्वे देश सर्वे . हूं द्या र्ने या रद्या है द्या र नद्र : झॅ. ४४. चर्या चर्या ग्रीय नयला न न्दा भेन ক্রম'বন্দ্রমন'ব'লাইম। ব্দর্ঘনি'মর্কর'**ইব।** २८.कूर्चार्क्त.शका.चर्चचा.त.२८.कूर्चा.स्रे.अश.३शका...

चिश्रायते,रिश्र चक्ष्याक्षेत्राङ्केटा.मी.ट्रब्रा रिनुर व.सि. શ્રેન-વાહુના-ક્ષેત્ર-ભાર-દેશ-વાહુશ-લાં ક્ષે. સાનાના ५.रस.चक्स.चर्.क्र विर.सर.वि.सुर.चर.वस.सर.... र्ष्यर् सेर् मार्डेश मार्थेश य स्या मार्डेश सदे सर्वनः हेन्। न्मः चढतः सूरः रूटः मीः न्द्रः माटः लेमा । ᠵ᠋**ᠵ**᠇ᡅ ᡪᡄᢅᢌ᠋᠊ᡥᢆᢧᡊᡘᡏᢇᢩᢡᡏᠠᢩᢌ᠃ᡥᢧ᠄ᡪᢅᢋᡃᢍᢅᡪᡃᢆ᠌ᡱᢌ᠄ᡶᢌ᠁ न्यनाःनीसः**ना**यःय। न्येरःव। सूरःसदसःमीसः गु.पिट.क्र्य.भर.पिश्र.चिट्य.पेश्री त्रेश.श्रुप स्ट्र. <u>৴৸ৼ৽ড়ৢয়৾৽৸৽য়ৢ৾৾৾৾৴য়৽৸য়৽য়৽ঢ়৾৻য়৽য়৽৽৽</u> त्युट वर द्रम वहश यदे द्वे त्य सुर्वे ।देश वा নীম'বয়ম'ব'ঊঽ'বয়'য়'ঢ়ৢব'উ৾৻ৄ য়ৣ৾ৼ'ঊঽ' ৾**৾**য়৽৴য়৸৽৴৽৻৴৻৴ৼৣয়৽য়৾৽য়ৢ৾৾ঢ়য়৽ঀৣ৽ঢ়য়৸৽৽ य.लट.श्रुटचील.ज्र्रा ।लट.गीय.लश.चर्शःश्री क्षेत्र हेब। वेश नहेन ५ न हुब दश पन् पत्रे

रैय:यः २८:ळॅन:**५**८:खु८:ळॅन:मी:सळंब:३५। पहुंच स्पूर्ण पार्ट स्पूर्ण पर्टेच हुंच स्पूर्ण पर्ट पञ्चयः वुः महिन् यदिः हैं मा न्दान् न्दान् यः मासुस्र मीसः न्न यदे खट खेर य। इ.स.स्.स.रमा महिसार्च दे भक्ष के के दें के साम जिल्ला मही मार्च के मार्च के साम का कि साम के साम का कि साम का कि साम के साम के साम के साम का कि साम का कि साम के साम का कि साम का कि साम के साम का कि साम का मार ब्रिया विश्व क्षि. उद्गुर अर्थेर मान स्ट्रिस ५८.चर्ड्स.च.७स.चासुटस.५.५५५.२ ब्रै्याशःभ्रेरःमी भक्रःभेरा ब्रै्याशःशःमबटः लुष्ट्र देन्ट्रॉन या सन लिया। देन्द्रेन्स्य गुर्गे सुद्रास दन हेनाया स.लुबं.तर स्मिन.राष्ट्रे.क्षा.चश्चिम.क्ट.पट्ट.के चीट.... हेन <u>। ट.च</u> पु.र्व.स्वाश.ष्ट्रश्चन्याना ह्याना स्ट्रा ग्री.जूर्या.क्रुंयांश.कृष.ता **२**टी.य कि.जशा **गी**य.हुर. तपु.स्र्विशःहेरःहैटःमृःध्रिक्षेश्व। श्रेष्धेश्वेशःचीःलूब्रसः য়য়ৢয়৽ৢঀ৾৾য়ৢড়ঀয়ৼয়ঀৼয়ৣয়য়য়৾য়ড়ৢৼঢ়৾য়ড়ৢ৾য়য়ৢ৾৽**৻ৼ**

श्रम्मीय त. बिनाश त से विद्र । सिना श पढ़ी तर <u> इस.पमुर्जा । शुरु,पमुरु, मन्पर,म.जा शुरु,</u> <u>८वुरालटारचाःचाःस्रक्षराद्वेताः क्ष</u>र्यालसःक्ष्र्यान् नहिनः तशः भुव १७व मिं वृद्धा सदी १८ १ मि १६ मु ग्री.श्रंब.पचीब.लट रेचा.रेट। वज्ञ.पचीच म्री.श्रंब. त्रुक्ष्यः प्राम्त्रीक्षा रः क्रुप्ते श्रुपः स्वाप्यः न्मारमेन पर्यापन् निवासी । शिवास्त्रीन हिराहिर শী'মঠৰ'ঈবা শ্ৰুৰ'মেন্ট্ৰৰ'বু'মন্দ্ৰি'ম'শাম'ণ্ড্ৰিশ । क्चिंद,पा.शुर्द,ये यहूरं,पश्च.शुर्द,ये, खु. खुश.यो वण. त्मुर अट द्वा नी सर्द्व केंद्रा अद मी अ क्वा में र्दा क्रे.प्येव.सर्वे.स्य.प्तुर.स्य.प्त्रा.मानुस्य। रट.स् ८.सक्ष.केरी वल.पस्टिंग.लट.रेबी.बीट. विना ह्रस र्यानामिस रहानी हर्स छन मी मेर रा हमारा सिना स्तुन ५ रहेला नासुस रहेंदान। ५ ने नी

रुटार्रम्थ**र्**ट म्लिर्र्सम्बर्धस्य स्थित् स्थादस्य प्यम् न्या या के सा कि निष्य के कि कि स्वार किया। क्षां प्रमानीय राज्या क्षां अव सी से हार् । हनाय মূৰ্ম শ্বীব ধ.৮৫.৮৫.৮৮৮খাগ লাগুৰা নতু প্ৰথম নাৰ্থিপ… क्टानाध्येता द्वेरावासार्यसार्वेतासे हेंब्रा हेत तश्रितातर वृष्तप्र अस्तु नश्रक्ष नश्रक्ष नश्रक्ष नश्रक्ष क्रनाशःस्त्रेन्यम् विश्वः त्येष्यः त्येषः । स्रेन्यः हेषः त्रश्रामितःतरः बुर्थः तपुः श्रास्त्रीचेशः कुर्थः वर्षा ह्ये <u> ब्रॅ</u>चश.ष्ट्रयं.मुश.मित.सम.ब्र्यं.ता.भ.लूयःतम.सैजा येह-मुबा-ब्रुक्श-कुर-मैंब-कबश स्प्र्-तर्ध-होश हेश. पद्गार्थसार्थक्रियः स्था स्वित्र म्मार्थस्य स्वाद्रः वल.पर्वीर.लट.रच.चु.सक्ष.कुरा चाह.लुचा.कुल. स्त्रा नेश रह ने देश उद मी हेट द्। हेमश स्मा ञ्चयः ५ : ५८ : ५८ : ३ व्यायः स्थे : या हेन्त्रः सदे : र्त्यः ना शुर्यः संहर य। देवराव सन्द्रशास्त्राकृत्वस्त्राकाराम्बरागा

यरे सक्द से दे मु सक्ट र नु पर प्रश्न पर प्रका सद क्रिंपर्वेच नर्गरास्य तपुरमञ्जर पुरसी. मर्के व केंश ख्वा हो स्पेर्पर प्रमा नुपार्थेर यह हैं। देश मह वस ही र हैं। हैंय हैर श्राद्मके पद्भावता मार क्रिया स्था भीश स्टामी क्रिया स्वामी है। देनाश सूचा झैंच व क्षि. चाश्चिश सार्वेद या रेनेर वी य इ.स.स्था.स्. हिर खेश क्षिम बीश रेना पर अ.... त्रुंस्थित व प्रिय प स्पूर्तिक मिश्र में दश र जा मुन् मुस् मृत्रा परे सा सुर्वा सर्वे ह्या स्त्र स्त्र तर वजा क्रुं कुर च कैट श्रेट का र्यमुधीय सप्ते क्रियो बुशासपु अंधाप्तीर के.वी वंधाप शिरा हैर हैर यर अक्ष हुर। सर मुक्ष हूंचा पर वेश सप्र वेश त्रमुन् **न्यो**र वासाङ्कार्यक्षः श्चार्ना सङ । विका घटराताता झे प्रसाद्या भू स्वासर हता भनेते.

च.लुब.चट्ट.च्रेरा डुब.च.डे.चेर्। म्यूज.चट्ट. सक्ष केरी से चीश के साथ हूंची वेश सर विश्व खेर यर् मार वर्ष । स्रु र म्यूज मुं सक्व के री स् मार्थ र्के.अ.अॅथ.४ व्रेथ.तर.घिश.जुथ.तप्र.चोट. चर्चा । र्यटर. में दे मर्द्र हैन में मियान महिशा है हिन या मुला स्था.चेर्.पचेर.चर.विश्व.लेष्.चंद्र.चंद. चव विषयः लट.वजार वीं र केर केंट जाता कर पर्वेच शास्ता चर्चर. यर.चे.ह्रे। ह्यु.देच.तर.वस.चेश.त.ल्यु.यपूर द्वेरामा विवासायमायावेशासास्य वार्मा स् शु.रेची.तर विष भ्रवेष.ची.लुबे.तपू.स्तुर ज्ञेर जा.ियःदा.श गहर मु । प्येव परि भुँ र सा न्मारा समान छेरा य.र्ड.वे.रटा भरेंब.ग्री.मंख्र.४१र.चे.इप्.वेश. यः इंशः द्वा सः देवा तरः वता वेशः तरः स्रेरः जा हमासायाचे र्हेसा अल्लेसायाच्याचा न्या द्वार्ट्स चीः

प्रट.चर्रेथ.चेपु. <u>र्</u>य.ज.थ्र.^{ध्री} चर वजा मासुस मुह्म दम् यदे सुद र्ये यदे सुर य देर् डेश-य-स्-वृत् प्यन-परेपश-पर-वृत्। 🌋 ८९७ प्रतरम्मे पर्याप्ट में दे प्रयास्त्र द्वाया। मोर्शः सैराशः रूपाशः राष्ट्रः श्चें ताः यहिंगाः राः रहा। सद्य-रत्नुमाः <u>स</u>द्द-र्द्र-मानस्य त्यः द्वियः चल्नेन नु ब्रैटश.वंश.वेट.कैंच.रंभ..त.ब्रेच.तर.र्ज्न नमृद्रायान्दरक्षेत्रकारुद्र व्यायकारामु केदार्या वृद्दाः यर मुर छेग। डेस'य'रेन|स'उस'युद्दार्सुस'र्स्टन|स'यदे'यद्दा'कृदःः नन्ना च न्नानारा न नुषा सर्वन परा न सुषा नहीं र देव नु। न्तर हूट वि.च.धू.च बट चेचा श्राच है निया मीश हो है ... 9911 लेशन्तर्भेष्यास्य मुन्दि सेम्बर्म्य म्नि सर्हेर् मट र रचर मञ्जूर लुश सर्दे। ८४ परिमहण सं 6769 अन्थालय, के. ज. ति. शि. संस्थान सारनाथ, वाराणसी